RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 53 ● भिलाई, मंगलवार 26 अगस्त 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

स्कार्पियो पर गिरा पेड़, दम्पति की मौत, तीन घायल

चित्रकूट। बांदा जिले के सदर कोतवाली क्षेत्र के देवनगर झील का पुरवा निवासी अभिनव द्विवेदी (43) ने बताया कि वह अपने भतीजे अंश द्विवेदी (30) के साथ कलवारा निवासी चालक बब्लू (42) को लेकर अपनी स्कापियो से अपने पिता रिटायर्ड डीएफओ दुर्गा प्रसाद द्विवेदी (80) व माता मधु द्विवेदी (75) को बुलाने मानिकपुर रेलवे स्टेशन गया था जो पटना जनता एक्सप्रेस से मुंबई से दवा कराकर आ रहे थे। डेढ़ बजे ट्रेन से उतरने के बाद लौटते समय सरैंया व ऐंचवारा के पास पिता ने खाना खाकर दवा खाई थी। करीब 15 मिनट रुकने के बाद वहां से चले कि कालूपुर पाही के पास पहुंचते ही झांसी मिर्जापुर हाईवे पर चलती कार के ऊपर महुआ का पुराना पेड़ गिर गया और सभी लोग दब गए। सूचना पर पहुंची पुलिस करीब आधा घंटा बाद जेसीबी लगाकर पेड़ हटवाया और एक महिला सहित चार को बाहर निकाला।

मां व दो बेटियो के शव गांव पहुंचे तो लिपट कर रो पड़े परिजन

चित्रकूट। मारकुंडी थाना क्षेत्र के इटवां डुडैला गांव निवासी टेंपो चालक बब्बू यादव ने बताया कि उसकी पत्नी ज्योति ने पान मसाला (गुटका) खाने के लिए रुपये मांगे तो उसने डांटकर मना कर दिया था। इसी से क्षुब्ध होकर उसने कमरे में जाकर एक साल की मासूम बुलबुल, चार साल की चंद्रमा व पांच साल के दीपचंद्रको जहर पिलाकर खुद भी जहर पी लिया था। मझगवां अस्पताल के डॉ. रुपेश सोनी ने बताया कि पोस्टमार्टम में जहरीला पदार्थ खाने से ही मौत की पुष्टि हुई है। जहर कैसा व कौन सा था इसके लिए तीनों के बिसरा के नमूने जांच के लिए रखे गए हैं। बब्बू ने ही बताया कि रविवार को उसके एक बचे बच्चे दीपचंद्र की हालत स्थिर है। उसका सतना में इलाज जारी है। सुबह जब पुलिस टीम के साथ बब्बू अपनी पत्नी ज्योति व दो पुत्री बुलबुल व चंद्रमा के शव लेकर पहुंचा तो परिजन दौड़कर शवों से लिपट गए। चारों ओर मौजूद लोगों की आंखे नम हो गईं। पुलिस की मौजूदगी में ही तीनों का अंतिम संस्कार किया गया।

सोशल मीडिया पर डेढ़ लाख से अधिक टेट परीक्षार्थियों का डेटा लीक

कोलकाता। 2022 के टेट परीक्षार्थियों की निजी जानकारी एक अज्ञात वेबसाइट पर लीक होने का सनसनीखेज आरोप सामने आया है। अनुमान है कि कम से कम डेढ़ लाख परीक्षार्थियों का डाटा लीक हुआ है। जैसे ही यह मामला सामने आया, परीक्षार्थियों ने इसे बड़े स्तर की धांधली बताया। वहीं, प्राथमिक शिक्षा परिषद इस मामले पर अब तक कोई ठोस जवाब नहीं दे पाई है। परिषद का कहना है कि फिलहाल जानकारी इकट्ठा की जा रही है और अगर आरोप सही पाए गए तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। परिषद के एक अधिकारी ने कहा कि मुझे इस बारे में कुछ भी जानकारी नहीं है। बहुत लोग फोन कर पूछ रहे हैं।

शाह ने खारिज किए विपक्ष के आरोप

पांच दिन में सुनवाई होती है, मेरी याचिका दो साल अटकी रही....

नई दिल्ली/ एजेंसी

130वें संविधान संशोधन विधेयक पर विपक्ष के हंगामे के बीच, गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री ने ही इस प्रस्तावित कानून के अंतर्गत प्रधानमंत्री कार्यालय को लाने पर ज़ोर दिया था। हाल ही में संपन्न संसद के मानसून सत्र के दौरान, शाह ने एक विधेयक पेश किया जिसमें प्रस्ताव दिया गया था कि अगर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को गंभीर अपराधों के लिए 30 दिनों से ज़्यादा की जेल हुई है, तो उन्हें पद से हटाया जा सकता है। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री ने खुद इसमें प्रधानमंत्री पद को शामिल किया है... इससे पहले इंदिरा गांधी 39वां संशोधन (राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और लोकसभा अध्यक्ष को भारतीय अदालतों द्वारा न्यायिक समीक्षा से बचाने के लिए) लेकर आई थीं... नरेंद्र मोदी जी अपने खिलाफ ही एक संवैधानिक संशोधन लाए हैं कि अगर प्रधानमंत्री जेल गए तो उन्हें इस्तीफ़ा देना होगा। उन्होंने आगे कहा कि आज इस देश में एनडीए के मुख्यमंत्रियों की संख्या ज़्यादा है। प्रधानमंत्री भी एनडीए से ही हैं। इसलिए यह विधेयक सिर्फ़ विपक्ष के लिए ही सवाल नहीं उठाता। यह हमारे मुख्यमंत्रियों के लिए भी सवाल उठाता है... इसमें 30 दिनों की ज़मानत का प्रावधान है। विधेयक पेश किए जाने के दौरान, लोकसभा में विपक्ष ने इस विधेयक को असंवैधानिक करार देते हुए विरोध प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि यह सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करने, गैर-भाजपा मुख्यमंत्रियों को फंसाने, उन्हें जेल में डालने और राज्य सरकारों को अस्थिर करने का एक तरीका है। संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 का हवाला देते हुए, शाह ने पूछा कि क्या ऐसे संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों का जेल से शासन करना उचित है। दरअसल विपक्ष ने अमित शाह पर आरोप लगाए हैं और सोहराबुद्दीन एनकाउंटर मामले में जेल जाने के लिए शाह की नैतिकता पर सवाल उठाए। न्यूज एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में अमित शाह ने इसका जवाब देते हुए कहा कि 'जैसे ही मुझे सीबीआई से समन मिला, मैंने अगले ही दिन इस्तीफ़ा दिया और मुझे बाद में गिरफ्तार किया गया। यह मामला चलता रहा और फैसले में भी कहा गया कि यह राजनीतिक प्रतिशोध का मामला था और मैं पूरी तरह से बेगुनाह था। फैसला बाद में आया, लेकिन मुझे जमानत पहले मिल गई। इसके बावजूद मैंने शपथ नहीं ली। इतना ही नहीं जब तक मुझे पूरी तरह से बरी नहीं कर दिया गया, मैंने कोई संवैधानिक पद भी नहीं लिया। विपक्ष मुझे कौन सा नैतिकता का पाठ पढ़ाना चाहता है यह पूछे जाने पर कि क्या जस्टिस आफ़ताब आलम उनके घर आए थे हस्ताक्षर लेने? इस पर अमित शाह ने इन आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि 'नहीं ऐसा नहीं हुआ था। जस्टिस आफ़ताब आलम कभी मेरे घर नहीं आए। उन्होंने मेरी जमानत याचिका पर रविवार के दिन विशेष सुनवाई की और कहा कि गृह मंत्री होने के नाते मैं गवाहों को प्रभावित कर सकता हूं, तब मेरे वकील ने कहा कि जब तक जमानत याचिका पर फैसला नहीं हो जाता, तब तक मेरे मुवक्किल गुजरात से बाहर रहेंगे। मैं दो साल राज्य से बाहर रहा क्योंकि देश के इतिहास में किसी की भी जमानत याचिका पर दो साल तक सुनवाई नहीं हुई, लेकिन जस्टिस आफ़ताब आलम की कृपा से मेरी जमानत याचिका पर दो साल सुनवाई चली।

'संविधान निर्माताओं ने इसकी कल्पना भी नहीं की होगी

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि हमारे संविधान निर्माताओं ने भी कल्पना नहीं की होगी कि हमारे देश में सीएम जेल से सरकार चलाएंगे। उन्होंने कहा 'अदालत भी इस कानून की गंभीरता को समझती है। जब किसी सीएम या मंत्री को 30 दिन में पद से हटाया जाएगा तो उससे पहले अदालत तय कर सकती है कि उस व्यक्ति को जमानत मिलेगी या नहीं। जब अरविंद केजरीवाल जेल में थे और मामला उच्च न्यायालय चला गया था तो उन्हें इस्तीफ़ा दे देना चाहिए था। उच्च न्यायालय ने भी कहा था कि केजरीवाल के नैतिक आधार पर इस्तीफ़ा देना चाहिए, लेकिन मौजूदा कानून में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। मेरी पार्टी का मानना है कि देश के प्रधानमंत्री और किसी भी सीएम को जेल में रहते हुए सरकार नहीं चलानी चाहिए। जब संविधान बनाया गया था तो संविधान निर्माताओं ने कल्पना भी नहीं की होगी कि एक मुख्यमंत्री जेल जाएगा और जेल से ही सरकार चलाएगा।'

ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र कर बोले रक्षामंत्री

भारतीय सेनाओं ने कायराना हमलों का दिया मुंहतोड़ जवाब-राजनाथ..

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि अप्रैल में पहलगाम में आतंकवादियों ने लोगों के नाम और धर्म पूछकर उनकी हत्या कर दी थी, लेकिन हमारे सैनिकों ने आतंकवादियों को धर्म के आधार पर नहीं बल्कि उनके कर्मों के आधार पर मारा। राजस्थान के जोधपुर में बोलते हुए, वह जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए हमले के बाद भारत की जवाबी कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर के तहत की गई कार्रवाई का जिक्र कर रहे थे, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। राजनाथ ने यह भी कहा कि भारत 'वसुधैव कुटुम्बकम' (सारी दुनिया एक परिवार है) की अवधारणा में विश्वास करता है

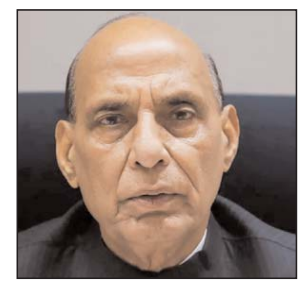

और जाति या धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करता। उन्होंने आगे कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में हमारी सेना ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया और तय किए गए ठिकानों पर सटीक हमला किया। पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी समूहों से जुड़े कई ठिकानों पर हमले किए गए। वह एक रक्षा और खेल अकादमी का उद्घाटन करने और सैनिकों के परिवारों को सम्मानित करने के लिए जोधपुर में थे। रक्षा मंत्री ने कहा कि मैं जब भी, हमारे किशोरों और युवाओं से मिलता हूँ, और उनकी आँखों में चमक और संकल्प देखता हूँ, उससे मुझे खुद भी नई ऊर्जा मिलती है। यही ऊर्जा, हमारे आने वाले भारत की पहचान है। उन्होंने कहा कि हमारे युवाओं की ऊर्जा और उनका संकल्प, हमने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी देखा। जिस प्रकार हमारी सेनाओं ने पाकिस्तान के कायराना हमलों का मुंहतोड़ जवाब दिया, उसे पूरी दुनिया ने देखा। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान,हमारी सेनाओं को सभी सीमावर्ती क्षेत्रों से भी पूरा समर्थन मिला।

भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य को हाईकोर्ट से नहीं मिली राहत

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को हाईकोर्ट से भी झटका लगा है। ईओडब्ल्यू की एफ़आईआर को चुनौती देते हुए दायर की गई उनकी याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। चैतन्य बघेल की याचिका पर हाईकोर्ट में आज सुनवाई हुई । चैतन्य बघेल ने अपने खिलाफ ईओडब्ल्यू की कार्रवाई को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। चीफ जस्टिस की डीबी ने आज इस मामले में सुनवाई करते हुए संबंधित मामले में प्रेस पिटीशन की जरूरत बताई और याचिकाकर्ता को नई याचिका दायर करने की छूट देते हुए याचिका खारिज कर दी।

शाह के बयान पर भड़के अखिलेश

दूसरों के लिए गड्ढा खोदते हैं..वो खुद उसमें गिरते हैं..

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार को संविधान (130वां संशोधन) विधेयक को लेकर भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि दुनिया भर में जिन सरकारों ने ऐसे कानून बनाए, वे टिक नहीं पाईं। किसी गंभीर अपराध में 30 दिन से ज़्यादा जेल में रहने पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने के प्रस्ताव वाले विधेयक पर केंद्रीय मंत्री अमित शाह की टिप्पणी का जवाब देते हुए, अखिलेश यादव ने कहा कि दुनिया भर में, ऐतिहासिक रूप से, तानाशाही सरकारें रही हैं जो सत्ता से बाहर न जाने के लिए ऐसे

कानून लाती रहीं। इटली, जर्मनी और रूस ने भी इसे देखा। हालाँकि, वे सरकारें टिक नहीं पाईं। उन्होंने भाजपा पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके खिलाफ मामले वापस ले लिए हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्रीय सूचना आयोग का आदेश पलटा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की डिग्री नहीं होगी सार्वजनिक-हाईकोर्ट

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को केंद्रीय सूचना आयुक्त के उस आदेश को रद्द करते हुए कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्नातक की डिग्री का विवरण सार्वजनिक करने के लिए बाध्य नहीं है, जिसमें डिग्री जारी करने का निर्देश दिया गया था। 2016 में केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने 1978 में बीए की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले सभी छात्रों के अभिलेखों के निरीक्षण की अनुमति दी थी, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी यह परीक्षा उत्तीर्ण

की थी। दिल्ली विश्वविद्यालय ने सीआईसी के आदेश को चुनौती दी थी, जिस पर जनवरी 2017 में सुनवाई की पहली तारीख को रोक लगा दी गई थी। सुनवाई के दौरान, विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तर्क दिया कि आरटीआई आवेदन पर सीआईसी के आदेश को रद्द कर दिया जाना चाहिए क्योंकि निजता का अधिकार जानने के अधिकार से अधिक महत्वपूर्ण है। दिल्ली विश्वविद्यालय ने तर्क दिया कि वह छात्रों की जानकारी को एक प्रत्ययी क्षमता में रखता है और व्यापक जनहित के अभाव में केवल जिज्ञासा के आधार पर आरटीआई कानून के तहत निजी जानकारी मांगने का औचित्य नहीं बनता। विश्वविद्यालय ने तर्क दिया, धारा 6 में यह अनिवार्य प्रावधान है कि जानकारी देनी होगी, यही उद्देश्य है। लेकिन आरटीआई अधिनियम किसी की जिज्ञासा को शांत करने के उद्देश्य से नहीं है।

बिहार में राहुल गांधी ने वोटर अधिकार यात्रा में की बुलेट की सवारी, तेजप्रताप ने कसा तंज

पटना। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) नेता तेजस्वी यादव के साथ रविवार को बिहार में निकाली जा रही वोटर अधिकार यात्रा में बुलेट बाइक की सवारी की। दोनों नेता वोट चोरी और राज्य की मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं के खिलाफ निकाली जा रही यात्रा के तहत बुलेट पर सवार होकर अररिया पहुंचे। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस और आरजेडी समर्थक उनके साथ थे। इसका वीडियो भी सामने आया है। इस यात्रा को लेकर आरजेडी से बर्खास्त विधायक तेज प्रताप यादव ने अपने छोटे भाई तेजस्वी और राहुल की खुलेआम आलोचना की है।

पीएम सीएम से जुड़े बिल मामले

संजय राउत बोले-जेपीसी में भाग नहीं लेगी शिवसेना यूबीटी सांसद

नई दिल्ली/ एजेंसी

शिवसेना यूबीटी ने सोमवार को घोषणा की कि वह संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) में भाग नहीं लेगी। पार्टी सांसद संजय राउत ने यह घोषणा की। एक्स पर एक सोशल मीडिया पोस्ट में, शिवसेना यूबीटी सांसद ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार लोकतंत्र और निर्वाचित सरकारों को कुचलने के लिए इस विधेयक को लाद रही है। सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि मोदी सरकार लोकतंत्र और जनता द्वारा चुनी गई सरकार को कुचलने के

लिए 130वां संविधान संशोधन ला रही है। इस विधेयक की समीक्षा के लिए गठित जेपीसी महज एक नौटंकी है। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे स्पष्ट करते हैं कि शिवसेना ऐसी किसी जेपीसी में भाग नहीं लेगी। संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को स्वत: पद से हटाने का प्रस्ताव है, यदि उन्हें पाँच साल या उससे अधिक कारावास की सजा वाले आरोपों में लगातार 30 दिनों तक गिरफ्तार और हिरासत में रखा जाता है। विधेयक को विस्तृत जाँच के लिए संयुक्त संसदीय समिति के पास भेज दिया गया है, जिसमें संसद के दोनों सदनों के 31 सदस्य शामिल हैं। यह समिति विधेयक की जाँच करेगी और मतदान से पहले अपनी सिफ़ारिशें देगी। एएनआई को दिए एक साक्षात्कार में, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विश्वास व्यक्त किया है ।

12 में से आठ जिलों में स्कूल और कॉलेज बंद कर दिए गए

हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया

शिमला/ एजेंसी

हिमाचल प्रदेश में मध्यम से भारी बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बारिश के मद्देनजर राज्य के 12 में से आठ जिलों में स्कूल और कॉलेज बंद कर दिए गए हैं, जबकि तीन राष्ट्रीय राजमार्गों सहित 685 सड़कें बंद हैं। स्थानीय मौसम कार्यालय ने सोमवार को कांगड़ा और चंबा जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की आशंका जताते हुए 'रेड अलर्ट' जारी किया है और लोगों से सतर्क रहने को कहा है। मौसम कार्यालय ने 31 अगस्त तक राज्य में भारी बारिश का 'येलो अलर्ट' भी जारी किया है। लाहौल और स्पीति जिले के ऊंचाई वाले इलाके शिपकिला में मौसम की पहली बर्फ़बारी की भी खबरें हैं। भरमौर के अतिरिक्त जिलाधिकारी (एडीएम) कुलदीप सिह राणा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि बारिश और भूस्खलन के मद्देनजर मणिमहेश यात्रा स्थगित कर दी गई है। यात्रा 17 अगस्त को शुरू हुई थी और 15 सितंबर को समाप्त होगी। कांगड़ा जिले में वार्ड संख्या एक और दो के जलमग्न होने और वाहनों के पानी में तैरने की खबरें हैं, जबकि हमीरपुर में भारी बारिश के बाद एक तहसील कार्यालय में पानी घुस गया। शिमला जिले के टूटीकंडी इलाके में एक घर की दीवार गिर गई। अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश की चेतावनी के मद्देनजर बिलासपुर, हमीरपुर, मंडी, कांगड़ा, कुल्लू, चंबा, ऊना और सोलन जिलों में आवासीय संस्थानों को छोड़कर सभी शिक्षण संस्थान बंद कर दिए गए हैं। पिछले दो दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण विभिन्न गांवों

में कई सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं जिससे संपर्क टूट गया है। कांगड़ा के उपायुक्त हेमराज बैरवा द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि एहतियात के तौर पर आवासीय संस्थानों को छोड़कर सभी सरकारी और निजी शैक्षणिक, तकनीकी संस्थान, कॉलेज, विश्वविद्यालय और आंगनवाड़ी सोमवार को बंद रहेंगे। मौसम विभाग ने सोमवार के लिए भारी बारिश की चेतावनी जारी की है जिसमें भूस्खलन, अचानक बाढ़, पेड़ों के उखड़ने, सड़कें अवरुद्ध होने और अन्य संबंधित खतरों का संकेत दिया गया है, जो जान-माल और सार्वजनिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकते हैं। अन्य सात जिला प्रशासनों द्वारा भी इसी तरह के आदेश जारी किए गए हैं। राज्य के कई हिस्सों में रविवार शाम से भारी से बहुत भारी बारिश हुई, जिसमें बिलासपुर जिले के काहू में 190.5 मिलीमीटर, जोत में 159.2 मिलीमीटर, बिंथन में 156.4 मिलीमीटर, नैना देवी में 148.4 मिलीमीटर, घाघस में 148 मिलीमीटर, बिलासपुर में 140.8 मिलीमीटर, भटियात में 140.2 मिलीमीटर, मलरांव में 120 मिलीमीटर, अंब में 111 मिलीमीटर, अघार में 110.6 मिलीमीटर और बंगाणा में 104 मिलीमीटर बारिश हुई। वहीं, रायपुर मैदान में 98.2 मिलीमीटर, घमरूर में 95.8 मिलीमीटर, भरवाईं में 94.4 मिलीमीटर, नादौन में 94 मिलीमीटर, सलापर में 90.6 मिलीमीटर, मुरारी देवी में 90.2 मिलीमीटर बारिश हुई।

फरिश्ता बनी सेना के जवान, 41 लोगों को सुरक्षित निकाला

बाढ़ की वजह से हालात चिंता जनक हैं। कई गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क कट चुका है, लोग अपने घरों में कैद होने को मजबूर हैं। वहीं, ग्रामीणों के लिए सेना देवदूत बनकर सामने आई। 17 राजपुताना राइफल्स की बाढ़ राहत टुकड़ी ने बड़ा डांढला कस्बे से महिलाओं और बच्चों सहित 41 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद लोगों ने राहत की सांस लेते हुए सेना का आभार जताया है।

जेवरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में अव्यवस्था को लेकर स्वास्थ्य मंत्री ने सीएच एम, ओबीएम ओ को लगाई फटकार

बेमेतरा। जेवरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में अव्यवस्था को लेकर स्वास्थ्य मंत्री ने सीएच एम, ओबीएम ओ को फोन से फटकार लगाई । 22 अगस्त को ग्राम जेवरा में छग के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल का आगमन हुआ। इस अवसर पर सोसायटी अध्यक्ष प्रबल सिंह तथा ग्रा पं के सरपंच महेंद्र पाटिल के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया।

स्वागत पश्चात मंत्री को गाँव में संचालित शास. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पधारने का निवेदन करने पर वे स्वास्थ्य केंद्र के सभी कक्षों, वार्डों सहित पूरे अस्पताल का निरीक्षण किये साथ ही स्वास्थ्य सुविधा का जायजा लिया। दवाओं और लैब मशीन आदि का स्वयं अपने हाथ से देखे जहाँ कुछ दवा अमानक और लैब मशीन बिगड़ा पाया गया, अस्पताल में फरवरी माह से जल आपूर्ति बंद भी पाया गया। उसके बाद स्टाफ रजिस्टर का अवलोकन करने पर डॉक्टर की अनुपस्थित रहने पर उनका उन्होंने निरीक्षण पंजी पर टीप दर्ज किये। उक्त अव्यवस्था पर उन्होंने वही से बीएमओ सीएमएचओ सहित संबंधित उच्चाधिकारियों फोन पर फटकार लगाई और अगले हफ्ते तक सुविधा व्यवस्थित करने आदेश दिए, वे वहाँ मौजूद मरीजों से भी मिलकर बातचीत किये तथा आखिर में हाल में बैठकर उपस्थित ग्रामवासियों से भी गहन चर्चा किये इस अवसर पर प्रबल सिंह और महेंद्र पाटिल ने एक पूर्णकालिक लैब टैक्निशियन, हाई टेक्नोलॉजी लैब मशीन, आहाता तथा स्टाफ क्वार्टर और पानी की स्थायी व्यवस्था करने का मांग पत्र सौंपा जिस पर जल्द पूर्ण करने का आश्वासन दिये। उल्लेखनीय है कि ग्राम जेवरा में संचालित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जो कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर में अपग्रेड हो गया है, वहाँ आसपास के अनेक गाँव के बहुत संख्या में लोग ईलाज कराने आते हैं लेकिन ऊपर दर्शित कुछ असुविधा के कारण मरीजों को समुचित लाभ नही मिल पा रहा था किन्तु अब मंत्री के स्वयं गहन निरीक्षण और दिशानिर्देश पश्चात बेहतर सुविधा उपलब्ध बहाल होगी। मंत्री जी के साथ दीपक महस्के, अमित साहु प्रहलाद रजक भी थे उनका भी स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्रबल सिंह महेंद्र पाटिल गजानंद साहु शिवेंद्र त्रिपाठी गोवर्धन सिन्हा विपिन सिंह पूनाराम धृतलहरे प्रणय राणा लाला पाटिल सालिक दुबे नीरज निषाद टल्लू खान हीरउ जोगी अशोक साहु नारायण यदु भारत साहु संतोष ध्रुव सरिता बाई सीमा ध्रुव गंगा बाई निक्की पाटिल सरस्वती बाई अनिल ठाकुर वरूण सिंह रामजी कोशले योगेश ध्रुव गोलू बंजारे रूपेंद्र सिन्हा भूनेश्वर साहु, देवांगन सर प्राचार्य शास उ मा वि जेवरा, डॉ पनिक, फार्मासिस्ट देवांगन सहित ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

सरकार के मंशानुरूप हो रहा है सबका साथ सबका विकास : विजय सिन्हा

बेमेतरा। बेमेतरा नगर पालिका में हो रहे है निरंतर विकास हमने बनाया है हम ही सँवारेंगे वार्ड न 16 ,12 में हुवा आर सी सी सड़क निर्माण का भूमिपूजन चुनाव के समय जनता से किए वादा को पूरा कर रहे यह कहना है उक्त बातें नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा के द्वारा कहा गया नगर में भूमि पूजन के अवसर पर उन्होंने कहा कि नगर विकास सहित जनता से जुड़े कार्य कर रहे है पार्षद अपने अपने वार्ड में सक्रियता से जनता का काम कर रहे है वार्ड पार्षद नीतू कोठारी ने लगातार अपने वार्ड की समस्या से अवगत कराया और इसका त्वरित निदान किया बेमेतरा विधायक दीपेश साहू के प्रयास से लगातार जन समस्याओं का निराकरण हो रहा है। निखिल साहू लगातार

जनता के सेवा में अपना बहुमूल्य क़ीमती समय जनता को दे रहे है जनता के आवागमन के लिए सड़क जैसे मूल भूत सुविधा मुहैया करा रहे है प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के आशीर्वाद से हर वर्ग का काम साय साय हो रहा है जो भी वादा हमने किए सभी वादे होगे पूरे जनता के विश्वास में पूरा खरा उतरकर कार्य करेंगे हमने बनाया है हम ही सँवारेंगे भूमिपूजन के अवसर पर भानु साहू सहित वार्ड वासी बड़ी संख्या उपास्थित रहे।

संस्कृत निबन्ध प्रतियोगिता में पीएम श्री सेजेस देवकर के विद्यार्थियों ने किया पुनः विद्यालय को गौरवान्वित

बेमेतरा। पीएम श्री सेजेस देवकर में विगत दिनों संस्कृत सप्ताह दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं आयोजन भी किया गया। इनमें से निबंध प्रतियोगिता में पीएम श्री सेजेस देवकर को प्रथम, द्वितीय, एवं तृतीय तीनों स्थान प्राप्त हुआ है। जिसमें कामाक्षी सिन्हा प्रथम (हिंदी मीडियम), चन्द्रकिरण तिवारी द्वितीय (इंग्लिश मीडियम), आदित्य मार्कण्डेय तृतीय (इंग्लिश

मीडियम)। इन्होंने प्रथम तीन में शीर्ष स्थान पा कर एक बार पुनः स्कूल का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्राचार्य अनिल डहाले ने संस्कृत व्याख्याता चेतना भारती राजपूत एवं समस्त विद्यार्थियों को बधाइयाँ देते हुए संस्कृत के महत्व को समझाया और कहा कि समस्त लोगों को अपनी संस्कृति से जुड़ा होना अति आवश्यक है। जिसके लिए संस्कृत का ज्ञान अत्यंत महत्वपूर्ण है। और संस्कृत विषय अपने आप में एक प्राचीन और संस्कारमयी विषय है जिसे लोगों को पढ़ते रहना चाहिए।

सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा आधारित वाद-विवाद स्पर्धा का हुआ आयोजन

बेमेतरा। जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण बेमेतरा के निर्देशानुसार सतत् रूप से बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से जन-जागरूकता लाने हेतु विकासखण्ड स्तरीय 'सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा' विषय के अंतर्गत हेलमेट व सीट बेल्ट का प्रयोग, तेज रफ्तार, मोबाईल में बात करते हुए एवं शराब सेवन कर वाहन न चलाने तथा यातायात के नियमों का पालन करने आदि पर विकासखण्ड बेमेतरा के हाई/हायर सेकेण्डरी स्तर के स्कूली छात्र/छात्राओं में छुपी प्रतिभा को निखारने, वाकपटुता में दक्ष बनाने व उन्हे आगे बढ़ाने के लिए मंच प्रदान करते हुए वाद-विवाद प्रतियोगिता विकासखण्ड स्रोत केन्द्र, समग्र शिक्षा बेमेतरा (बी.आर.सी.) के सभाकक्ष में आयोजन हुआ। जिसमें विकासखण्ड के हाई/ हायर सेकण्ड्री विद्यालय उमरिया, जांता, तेलईकूड़ा, बैजलपुर, बालसमुंद, सेमरिया, बालक बेमेतरा, जेवरा, जेवरी, स्वामी आत्मानंद सिंघौरी, स्वामी आत्मानंद बालक दाड़ी, स्वामी आत्मानंद कन्या बेमेतरा, स्वामी आत्मानंद शिवलाल राठी पिकरी बेमेतरा, एलांस पब्लिक स्कूल बीजाभाट, ज्ञानोदय पब्लिक स्कूल बेमेतरा के 60 बच्चों ने भाग लिया।इस प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में उपस्थित राजेन्द्र कुमार साहू (बी.आर.सी. बेमेतरा), राजेश झा (अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बेमेतरा), बृजमोहन शर्मा (स्थानीय नागरिक), ज्योति सिंघानिया (वत्सला फाउंडेशन बेमेतरा), कमलेश्वरी साहू (शिक्षिका, शास.पू.मा.शाला जेवरा) के द्वारा प्रतिभागी बच्चों को प्रदर्शन के आधार पर प्रथम स्थान- सेजस सिंघौरी 2500.00रु., द्वितीय स्थान- एसएसएस सेमरिया 2000.00रु., तृतीय स्थान - एसएसएस जेवरा 1500.00रु., सांत्वना - सेजस कन्या बेमेतरा, एसएसएस बालसमुंद, सेजस शिवलाल राठी पिकरी बेमेतरा आदि को 1000.00-1000.00 रू. नगद राशि का पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता को सफल बनाने में सीएसी - उध्दव साहू, धनीराम बंजारे, मो. इमरान एवं शिक्षिका - ज्योति बनाफर, सुकन्या राजपूत, उमा जाटव एवं जगदम्बा प्रताप सिंह, कमलेश कुमार, सुशील कुमार कार्यालयीन कर्मचारी का विशेष सहयोग रहा।

पोला पर्व पर पारंपरिक खेलकूद आयोजित किया गया

तिल्दा-नेवरा। सिमगा ब्लॉक के समीपस्थ ग्राम पंचायत नवागांव में छत्तीसगढ़ के पारम्परिक त्यौहार पोला पर्व नवागांव में खेलकूद आयोजित किया गया। पारंपरिक खेलकूद में महिला, व बालिकाओ ने खेल कूद में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागी अपने-अपने खेलो में प्रदर्शन किया गया, स्पर्धा में प्रथम से अंतिम तक सभी को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। ग्राम पंचायत नवागांव में आयोजन में पारंपरिक खेल कुर्सी दौड़, नारियल फेंक, मटका फोड, रस्सी खींच, आलू दौड़ व स्पर्धा आयोजित हुई। जिसमे महिलाओं द्वारा प्रथम ग्रुप विजेता ऋतु उर्मिला मोहनी पिंकी राजनंदनी पुष्पा उषा तारा रही। जिसमें नवागांव में पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी विभिन्न खेल आयोजित की गई। जिसमें प्रथम विजेताओं को सरपंच व उपसरपंच के द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया। आयोजन में गांव के सरपंच निरा धर्मेंद्र कोसले व उप

सरपंच शिवप्रसाद साहू, केशव साहू, राजेंद्र साहू, पुनीत साहू, अंगद साहू, होमेश्वर साहू, लोकनाथ साहू, शिव कुमार साहू, हेमंत साहू, दिनेश साहू, शुभम साहू, पुनाराम, जयराम, रवि, तुकेश, कामदेव, छत्तीसगढ़ मीडिया एसोसिएशन के बलौदा बाजार जिला प्रभारी थानेश्वर साहू एवं समिति के सदस्यो व ग्रामवासीयों की उपस्थिति सैकण्डो की संख्या में उपस्थित रहे।

संकट टालने शनिदेव की विधि-विधान से की गई पूजा-अर्चना

शनिश्चरी अमावस्या श्रद्धाभाव से मनाई गई, मंदिरों में सुबह से रात तक लगी रही भक्तों की कतारें

सरायपाली। सरायपाली नगर सहित अंचल में शनिश्चरी अमावस्या श्रद्धाभाव से मनाई गई। सुबह 7 बजे से नगर के शनि मंदिरों में पूजा-पाठ शुरू हुई गई थी। जो कि दोपहर व रात तक जारी रही। इस दौरान नगर के बाजारपारा स्थित शनि मंदिर सहित अन्य शनि मंदिरों में श्रद्धालु शनिदेव की आराधना में लीन नजर आए। अमावस्या पर मंदिर में सुबह से लोगों का तांता लगा रहा। लोग अपने ऊपर आए संकट को टालने के लिए शनिदेव की विधि-विधान से पूजा अर्चना की गई। पंडित राजा शर्मा ने बताया कि भाद्रपद के विशेष संयोग के साथ श्रद्धा-भक्ति के साथ शनिश्चरी अमावस्या मनाई गई। इस मौके पर जिन लोगों के ऊपर शनि

की साढ़ेसाती, देव्या, महादशा चल थी। या फिर जिनकी जन्मकुंडली में शनि चक्री अवस्था में है उन्होंने शनिश्चरी अमावस्या पर शनिदेव की विषेश पूजा अर्चना की। इससे कष्ट का निवारण होंगे। शनि अमावस्या के दिन शनिदेव को तेल, काले उड़द, काले तिल, काला कपड़ा आदि चढ़ाया गया। तो वहीं अधिकांश लोगों ने पीपल के पेड़ में जल चढ़ाने पहुंचे। इसके अलावा पिलरी की शांति के लिए घर पर पंडित द्वारा तर्पण कराकर ब्राह्मणों को भोजन कराया गया। अमावस्या पर गो माता को अर्पण किया गुड़ और हरा चारा अमावस्या तिथि पर गौ-माता को हरा चारा खिलाने से पितरों का आर्शीवाद मिलता है। जिससे युवाओं ने केन्दूढार स्थिति गौ शाला में हरा चारा गो माता को अर्पण किया गया।

स्वास्थ्य मंत्री को संविदा कर्मचारियों ने नियमितिकरण को लेकर सौंपा ज्ञापन

बेमेतरा। स्वास्थ्य मंत्री छत्तीसगढ़ सरकार श्यामबिहारी जायसवाल के बेमेतरा जिला चिकित्सालय में सी टी स्कैन मशीन उदघाटन कार्यक्रम तहत छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के प्रांताध्यक्ष संजय तिवारी एवं संविदा कर्मचारियों ने उनके बेमेतरा विधायक दिपेश साहू, पूर्व विधायक अवधेश चंदेल, साजा विधायक ईश्वर साहू, नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा भाजपा जिलाध्यक्ष आदि के उपस्थिति में सौजन्य भेंट कर एड्स नियंत्रण कार्यक्रम में कार्यरत संविदा कर्मचारी को शीघ्र संज्ञान में लेते नियमितिकरण हेतु ज्ञापन दिया,एड्स नियंत्रण में कार्यरत संविदा कर्मचारियों ने निवेदन सहित जानकारी दी कि विगत 25 वर्षों से इस एड्स नियंत्रण कार्यक्रम में हम कर्मचारी संविदा पर कार्यरत है,हम लोगों की संख्या मात्र 400 के लगभग है, हम लोग उच्च जोखिम समूह के बीच और अति संवेदनशील बीमारी विषय पर कार्य करते हैं, हम संविदा कर्मचारियों की संख्या राज्य में कम है जिन पर नियमित करने पर शासन को वित्तीय भार भी नहीं समान आयेगा, केंद्र

सरकार एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के संविदा कर्मचारियों को नियमितिकरण हेतु अनापत्ति पत्र भी छत्तीसगढ़ राज्य सरकार को दिए है, मणिपुर, राजस्थान अन्य सरकार एड्स नियंत्रण कार्यक्रम में कार्यरत संविदा कर्मचारी को नियमित भी कर चुका है, साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण कार्यक्रम में कार्यरत संविदा कर्मचारियों का पद भी पहले से सेटअप है, हम एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के कर्मचारी बहुत संवेदनशील, गोपनीयता बरकरार रखते रिस्क पर छत्तीसगढ़ में एड्स नियंत्रण पर विभिन्न वर्ग,समूह और एच आई वी/एड्स से संक्रमित व्यक्ति लगभग 40 हजार को विगत 25 वर्षों से सेवा प्रदान कर रहे हैं, साथ ही समाज के मुख्यधारा में लाने का कार्य भी हम पर हैं, हम संविदा कर्मचारियों का उम्र भी छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य विभाग में संविदा में कार्य करते संविदा सेवानिवृत्त के कगार पर पहुंच गया है, हम लोगों को एक मुश्त वेतन के सिवाय अन्य शासकीय सुविधा से वंचित है जिनसे परिवार चलाने सहित भविष्य की चिंता से तनाव बनी हुई हैं। हम लोग करोना काल में भी सक्रिय फ्रंटलाईन वॉरियर पर कार्य किए हैं कई हमारे कर्मचारी इस बीमारी से ग्रसित होकर मौत के ग्रास में चले गए उनके परिजन बच्चे आर्थिक परेशानी से गुजर रहे,इस एड्स नियंत्रण कार्यक्रम में कार्यरत हमारे कई संविदा कर्मचारी का युवा अवस्था में ही विभिन्न बीमारी, हार्ट अटैक आदि से मृत्यु हुई हैं जिसमें उनके परिवार बच्चे कोई आर्थिक सामाजिक सुविधा न होने कारण अनाथ हो गए इन आर्थिक सामाजिक मानसिक परेशानी को दूर करने नियमितीकरण के आशा विश्वास के साथ हम यह ज्ञापन सौंप रहे है, इनपर स्वास्थ्य मंत्री ने बातों तो सुना पड़ा ओर इस पर संज्ञान लेते,कहा आप लोगों का नियमितीकरण पर काम चल रहा है, आप लोग निश्चिंत होकर कार्य करने कहा और दिए गए ज्ञापन को स्वीकार कर आगे की कार्यवाही हेतु संबंधित को अग्रेषित किया। ज्ञात हो कि एच आई वी एड्स नियंत्रण कार्यक्रम में कार्यरत संविदा कर्मचारी स्वास्थ्य विभाग में विभिन्न कंपोनेंट ए आर टी, आईसीटीसी, पीपीटीसीटी, एस टी आई, ओ एस टी,ब्लड बैंक मोबाइल आईसीटीसी के साथ एच आर जी के बीच जोखिम में सक्रिय रूप से विगत 25 सालों से कार्यरत है, इन्हें एक मुश्त वेतन सिवाय कोई भी सुविधा नहीं मिलती, स्वास्थ्य मंत्री छत्तीसगढ़ सरकार श्यामबिहारी जायसवाल को ज्ञापन देने पहुंचे में प्रमुख रूप से एड्स नियंत्रण कार्यक्रम संविदा कर्मचारी में संघ से प्रांताध्यक्ष संजय तिवारी, पुराणिक नायक आईसीटीसी परामर्शदाता बेमेतरा, विनेश्वर जायसवाल एस टी आई परामर्शदाता के साथ जिला बेमेतरा एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के संविदा कर्मचारी शामिल थे।

वर्धमान का अर्थ होता है वृद्धि करने वाला : प्रशम सागर

धमतरी। उपाध्याय प्रवर अध्यात्मयोगी महेंद्र सागर महाराज उपाध्याय प्रवर युवामनीषी स्वाध्याय प्रेमी मनीष सागर महाराज के शिष्य प्रशम सागर महाराज योगवर्धन महाराज श्री पार्श्वनाथ जिनालय इतवारी बाजार धमतरी में विराजमान है। प्रशम सागर महाराज ने प्रवचन के माध्यम से फरमाया कि कल्पसूत्र के माध्यम से हम सभी 24वें तीर्थंकर परमात्मा शासन नायक भगवान महावीर के जन्म वाँचन को जन्मकल्याणक महोत्सव के रूप में ही मनाते है। पर्वाधिराज पर्यूषण पर्व में आज के दिन अर्थात भादवा सुदी एकम के दिन परमात्मा का जन्म कल्याणक वांचन का अवसर आता है। जिसे जन्म कल्याणक के रूप में मनाया जाता है। ऐसे परमात्मा शासन नायक प्रभु महावीर

का जन्म चैत्र सुदी तेरस के दिन त्रिशला माता की रत्नकुक्षी से हुआ था। भगवान जब से माता के गर्भ में आए थे, तब से पूरे राज्य में सुख बढ़ाने वाले साधनों में लगातार वृद्धि हो रही थी। इस कारण त्रिसलामाता और सिद्धार्थ राजा ने भगवान के जन्म के पूर्व ही तय कर लिया था कि जब इस बालक का जन्म होगा तो इसका नाम वर्धमान रखेंगे। वर्धमान का अर्थ होता है वृद्धि करने वाला। दूसरी ओर इंद्र तिर्यकजृंभक देव को बुलाकर आदेश देते है कि पूरे संसार में कोई ऐसा गुप्त या अनजान धन जिसका कोई मालिक न हो उस धन को परमात्मा महावीर के शासन में हस्तांतरित किया जाए। ताकि उसका भविष्य में धर्मार्थ उपयोग किया जा सके। परमात्मा महावीर माता विचार करते है कि मेरे गर्भ में रहकर हिलने के कारण माता को तकलीफ होती है इसके कारण हिलना डुलना बंद कर देते है। परमात्मा के अचानक हिलना डुलना बंद करने के कारण माता दुखी हो जाती है। और विचार करती है कि कहीं मेरा गर्भ नष्ट तो नहीं हो गया। कही मेरे गर्भ का किसी ने हरण तो नहीं कर लिया। मै कैसी अभागिनी हूँ जिसके माता बनने से पहले ही ये सौभाग्य चला गया। पूर्व में मेरे ही पाप कर्मों का उदय आया होगा। तब परमात्मा पुनः विचार करते है मैने तो माता को सुख देने के उद्देश्य से हिलना बंद किया था। किंतु ये तो माता के दुख का कारण बन गया। परमात्मा विचार करते है अभी तो में केवल गर्भ में आया तब माता को मुझसे इतना मोह हो गया है। तो मेरे संसार में आने के बाद न जाने कितना मोह होगा। ऐसा विचार करते करते परमात्मा गर्भ में रहते हुए ही अर्थात जन्म से पूर्व ही निर्णय कर लेते है कि माता पिता के जीवित रहते मै दीक्षा नहीं लूंगा। यहां पर परमात्मा नियम लेकर अपने माता पिता के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वहन करते है। इसके पुनः परमात्मा हिलना प्रारंभ करते है। ऐसा जानकर त्रिशला माता प्रसन्न हो जाती है और फिर सुख और प्रसन्नता का माहौल बन जाता है। पूरे राज्य में पुनः ढोल बाजे बजाए जाते है। इस समय माता का विचार आता है कि वह तीर्थ यात्रा करे, साधु संतों को सेवा आदि करे। जेल में बंद कैदियों को मुक्त कर दे। उनके विचार के अनुसार दोहले पूर्ण किए जाते है। शास्त्रों के बताए अनुसार त्रिशला माता अपने गर्भ का पालन करती है। धीरे धीरे परमात्मा के जन्म कल्याणक अवसर निकट आ रहा है। साथ ही राज्य में धन धान्य, ऋद्धि समृद्धि आदि में, सुख में लगातार वृद्धि हो रही थी। फिर पूरे संसार को जिस शुभ घड़ी का इंतजार था वो चैत्र सुदी तेरस का दिन आ गया। इस दिन परमात्मा महावीर का जन्म पिता सिद्धार्थराजा के घर में त्रिसलामाता की रत्नकुक्षी से उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र में हुआ। पूरे संसार में एक पल के लिए प्रसन्नता छा गई। निगोद और नर्क के जीवो को भी क्षणमात्र के लिए सुख की अनुभूति हुई।

सार्थक स्कूल के नन्हें कलाकारों ने दिया स्वच्छता और नशामुक्ति का संदेश

धमतरी। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अवसर पर सार्थक स्कूल धमतरी के विशेष बच्चों ने अपनी प्रतिभा और सृजनशीलता से सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम में विशेष बच्चियों ने छत्तीसगढ़ी गीतों पर उमंग और उल्लास के साथ मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कियाए जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। इसके साथ ही बच्चियों ने नशामुक्ति अभियान से संबंधित आकर्षक रंगोलियां बनाकर जागरूकता का संदेश दिया। इसी क्रम में विशेष बच्चों ने स्वच्छता पर प्रेरणादायी स्लोगन और कविताएं लिखीं। वहीं बच्चियों ने स्वच्छता, जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर रंगोलियों की रचना कर जन.जागरूकता फैलाने का प्रयास किया। सार्थक स्कूल के इन विशेष बच्चों की प्रस्तुति और रचनात्मकता ने सभी को प्रेरित किया तथा छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के कार्यक्रम को और भी यादगार बना दिया।

संक्षिप्त समाचार

प्रोजेक्ट सुरक्षा के तहत छात्रों को मिला जीवनरक्षक प्रशिक्षण

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देशन में जिला प्रशासन रायपुर एवं रेड क्रॉस सोसाइटी, जिला शाखा रायपुर के संयुक्त प्रयास से प्रोजेक्ट सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण जीवनरक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मांट में 105 बच्चों व शिक्षकों को प्रथम बैच में प्रशिक्षण दिया गया। द्वितीय बैच में स्वामी आत्मानंद शासकीय उच्चतर माध्यमिक उत्कृष्ट इंग्लिश मीडियम विद्यालय गनियारी तिल्दा में 150 बच्चों शिक्षकों को तथा 3हस्त्र बैच में शासकीय हाई स्कूल घेवरा में 60 बच्चों को प्रशिक्षण दिया गया। छात्र-छात्राओं के साथ शिक्षकों को भी प्राथमिक उपचार और सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही मल्टीलेवल पार्किंग में चौथे फ्लोर में पंचायत विभाग के पंचायत विभाग के 23 पंचायत सचिवों को से अधिक लोगों को प्राथमिक उपचार कीट एवं सीपीआर का प्रशिक्षण दिया गया। सीपीआर प्रशिक्षण से आपात कालीन स्थितियों में जीवन बचा सकते हैं। प्रशिक्षण बहुत ही महत्वपूर्ण हैं और इसे सीखने के लिए और भी लोगों को प्रेरित करेंगे और आपात कालीन स्थितियों में हमारे द्वारा लोगों की सेवा किया जाएगा।

मेडिकल छात्रा के यौन उत्पीड़न के मामले में प्रोफेसर को सुप्रीम कोर्ट से झटका

रायपुर। पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति मेडिकल कॉलेज, रायपुर के प्रोफेसर डॉ. आशीष सिन्हा को एक मेडिकल छात्रा के यौन उत्पीड़न के आरोप में सुप्रीम कोर्ट से भी राहत नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने डॉ. सिन्हा की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ दर्ज एफ्आईआर को रद्द करने और गिरफ्तारी से बचाने की मांग की थी। इससे पहले, छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने भी डॉ. सिन्हा की याचिका को खारिज कर दिया था। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रमेश कुमार सिन्हा ने अपने फैसले में कहा था कि आरोपी पर लगे आरोप गंभीर और संवेदनशील हैं, जो कार्यस्थल पर एक महिला की गरिमा और शारीरिक अखंडता से जुड़े हैं। अदालत ने यह भी पाया कि एफ्आईआर दर्ज करने में कोई देरी नहीं हुई है और न ही यह किसी दुर्भावना से प्रेरित लगती है। यह पूरा मामला पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति मेडिकल कॉलेज, रायपुर के कम्युनिटी डिपार्टमेंट का है, जहाँ के प्रोफेसर डॉ. आशीष सिन्हा पर उसी विभाग की एक द्वितीय वर्ष की छात्रा ने यौन उत्पीड़न और मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया है। छात्रा के मुताबिक, डॉ. सिन्हा उसे बार-बार अपने केबिन में बुलाकर शारीरिक छेड़छाड़ करते थे। जब उसने इसका विरोध किया तो उसे इंटरनल एग्जाम में फेल करने की धमकी दी गई। छात्रा ने यह भी आरोप लगाया कि डॉ. सिन्हा ने डिजिटल माध्यमों से भी उसे आपत्तिजनक संदेश भेजे। यह उत्पीड़न करीब एक साल से चल रहा था।

मेडिकल बिल पास करने के एवज में रिश्वत मांगने वाला बाबू रंगेहाथ गिरफ्तार

रायपुर। राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ एसीबी और ईओडब्ल्यू की कार्रवाई लगातार जारी है। ताजा मामले में एक सरकारी स्कूल में पदस्थ बाबू को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए एंटी करप्शन ब्यूरो ने रंगे हाथों पकड़ लिया। जानकारी के अनुसार, चांपाझार चंपारण स्थित शासकीय स्कूल में कार्यरत बाबू लंबे समय से शिक्षकों से मेडिकल बिल पास करने और अन्य कार्यों के लिए पैसे की मांग करता था। इसी कारण अभनपुर पारागांव के शिक्षक चंद्रहास निषाद, जो इसी स्कूल में कार्यरत हैं, ने में शिकायत दर्ज कराई। चंद्रहास निषाद ने बताया कि उनके बच्चे की तबीयत खराब होने के कारण इलाज में करीब 1.5 लाख रुपए खर्च हुए। उन्होंने स्कूल में 1 लाख रुपए का मेडिकल बिल जमा किया था, जिसे पास कराने के लिए बाबू ने 10 हजार रुपए की रिश्वत मांगी। शिकायत की पुष्टि के बाद ईओडब्ल्यू ने जाल बिछाकर बाबू को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। सूत्रों के अनुसार आरोपी बाबू इससे पहले भी शिक्षकों से बार-बार पैसे लेकर ही फाइलें आगे बढ़ाता था।

तीजा पर्व पर महिलाओं को तोहफा, रायपुर से चलेंगी दो जोड़ी फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें

रायपुर। तीजा पर्व के शुभ अवसर पर छत्तीसगढ़ की महिलाओं को रेलवे ने खास सौगात दी है। मायके जाने वाली महिलाओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा दो जोड़ी 'तीजा फेस्टिवल फास्ट मेमू स्पेशल ट्रेनें' चलाई जाएंगी। ये ट्रेनें रायपुर-अनूपपुर-रायपुर और रायपुर-ताड़ोकी-रायपुर रूट पर विशेष रूप से 24, 25, 28 और 29 अगस्त 2025 को संचालित होंगी। रायपुर-अनूपपुर स्पेशल (06803/06804) ट्रेन सुबह 4:50 बजे रायपुर से रवाना होकर सिलयारी, तिल्दा, भाटापारा, बिल्हा, उसलापुर, करगी रोड, पेंड्रारोड, जैतहरी होते हुए सुबह 10:15 बजे अनूपपुर पहुंचेगी, जबकि वापसी में दोपहर 1:30 बजे अनूपपुर से चलकर शाम 7:15 बजे रायपुर पहुंचेगी।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव

महिला सम्मेलन एवं तीजा-पोरा महोत्सव का भव्य आयोजन

- मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेवता पर प्रदेशभर से आई माताओं-बहनों का किया गया आत्मीय स्वागत
- मुख्यमंत्री के नेतृत्व में नारी शक्ति के मान, सम्मान और गौरव को बढ़ावा मिल रहा है: उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेवता पर राजधानी रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आज छत्तीसगढ़ का पारंपरिक त्योहार तीजा-पोरा धूमधाम से मनाया गया। 'विष्णु भइया' के नेवता पर आयोजित इस भव्य आयोजन में शामिल होने के लिए प्रदेशभर से बड़ी संख्या में महिलाएँ पहुँचीं। प्रदेश सरकार के मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों ने माताओं-बहनों का आत्मीय स्वागत किया और उन्हें उपहार स्वरूप साड़ी, श्रृंगार सामग्री और छत्तीसगढ़ी कलेवा भेंट किया गया। मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने उपस्थित माताओं-बहनों को तीजा पर्व की शुभकामनाएँ दीं। महिला सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि तीजा छत्तीसगढ़ में नारी शक्ति के मान, सम्मान और दृढ़ निश्चय का महत्वपूर्ण पर्व है। निर्जला व्रत रखकर अपने पति-परिवार की सुरक्षा और समृद्धि की कामना करने वाली सभी माताओं-बहनों को उन्होंने सरकार की ओर से शुभकामनाएँ दीं। श्री साव ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय के नेवता पर माताओं-बहनों की इतनी बड़ी संख्या में उपस्थिति स्वयं इस पर्व के महत्व को सिद्ध करती है। उन्होंने कहा कि तीजा के आते ही माताओं-बहनों के मन में प्रसन्नता छा जाती है। भाई-भतीजा के तीजा लिवाने आने की प्रतीक्षा रहती है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार छत्तीसगढ़ महतारी के मान, सम्मान और गौरव को बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रदेश की 70 लाख से अधिक माताओं-बहनों को प्रतिमाह एक हजार रुपए की राशि मिल रही है। इससे वे आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं और घर-परिवार को संचालित करने में पति के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हैं। उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु आगे भी ऐसी योजनाएँ लाती रहेगी। कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने भी तीजा-पोरा पर्व की बधाई दी और कहा कि यह अवसर सभी तीजहारिन बहनों के लिए बहुत विशेष है। यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं के लिए खुशी, एकजुटता और आत्मीयता का प्रतीक है। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि तीजा धार्मिक, सामाजिक और प्राकृतिक सामंजस्य का पर्व है। माता-बहनें परिवार को जोड़कर स्वर्ग समान बनाए रखने का कार्य करती हैं। सुहागन महिलाएँ निर्जला व्रत रखकर अपने पति की दीर्घायु की कामना करते हुए शिव-पार्वती की पूजा करती हैं। सावन में खेत-खलिहान हरे-भरे हो जाते हैं, जिनमें गाय-बैलों की अथक मेहनत का योगदान होता है। इसी मेहनत से हमारे धान के कोठार भरते हैं। कार्यक्रम में मौजूद पूर्व सांसद श्रीमती सरोज पांडेय ने भी सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर पंडवानी गायिका पद्मश्री श्रीमती उषा बारले और लोकगायिका कुमारी आरु साहू को स्मृतिचिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में श्रम एवं उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन, विधायक श्री सुनील सोनी, श्री इंद्र कुमार साव, श्री अनुज शर्मा, केश शिल्पी बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती मोना सेना, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष श्री अमरजीत छाबड़ा, खाद्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष श्री संजय श्रीवास्तव।

दिन में तारे दिखा देने वाली है तारापुर की सड़क का जीर्णोद्धार शुरू हुआ...

रायपुर। संवाददाता

हमने दिन में तारे दिखा देने वाली तारापुर की प्रधानमंत्री ग्राम सड़क की बदहाली की खबर सामने लाई और अधिकारियों व ठेकेदारों को भी दिन में तारे, चांद सब दिखाई देने लगे। आनन फानन में सड़क की मरम्मत का कार्य ठेकेदार द्वारा शुरू कर दिया गया है। दरअसल बकावंड विकासखंड में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनाई गई सड़कों का बड़ा बुरा हाल हो गया है। करोड़ों खर्च कर बनाई गई सड़कें अब चलने लायक भी नहीं रह गई हैं। सी ही हालत विकासखंड के ग्राम तारापुर की प्रधानमंत्री ग्राम सड़क की हो गई है। यह सड़क राहगीरों को दिन में तारे दिखा रही है। गांवों में प्रधानमंत्री सड़क निर्माण के नाम पर जमकर भ्रष्टाचार किया गया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की निर्माण एजेंसी के अधिकारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत से स्तरहीन सड़कें बनवाई गई हैं, जिसका नतीजा यह हो रहा है कि ये सड़कें 5-6 माह भी नहीं टिक पा रही हैं। इनकी हालत पुरानी सड़कों से भी बदतर हो गई है। गड्ढों और कीचड़ से सराबोर ये सड़कें ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बन गई हैं। पड़ोसी राज्य ओड़िशा के बिल्कुल करीब स्थित बकावंड ब्लाक की ग्राम पंचायत तारापुर का मुख्य मार्ग और राजामुंडा मुख्य मार्ग बदहाल हो गए हैं। इनका निर्माण प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत कराया गया है। ये सड़कें बस्तर को ओड़िशा से जोड़ती हैं। इस मुख्य मार्ग से सैकड़ों गाड़ियां गुजरती हैं। रेत लदे दर्जनों ट्रकों का भी आवागमन इसी सड़क पर होता है। एक तो घटिया निर्माण, ऊपर से ओवर लोड रेत भरे ट्रक टिप्परों के दबाव ने सड़कों का हुलिया और भी बिगाड़ दिया है। हमने जैसे ही यह खबर उजागर की, अधिकारी हरकत में आ गए, उन्होंने ठेकेदार को हड़काया और ठेकेदार ने भारी भरकम मशीनों की मदद से सड़क के गड्ढों को पटवाना शुरू कर दिया है, मगर यह समस्या का अस्थायी समाधान है। बारिश हुई तो हालत फिर जस की तस हो जाएगी। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत पक्की डामरीकृत सड़कें बनवाने का प्रावधान है, मगर बकावंड ब्लॉक की तारापुर ग्राम पंचायत समेत तमाम गांवों में जितनी भी सड़कें इस योजना के तहत बनवाई गई हैं।

धमतरी पुलिस ने हेरोइन बेचते युवक को रंगे हाथ पकड़ा

रायपुर। आरोपी से 06 नग हेरोइन (चिट्टा), नकदी व मोबाइल सहित 15,100/- रूपये का सामान किया गया जप्त। आरोपी गिरफ्तार, एनडीपीएस एक्ट के तहत भेजा गया जेल। एसपी धमतरी के निर्देशन में जिले में नशा व अवैध गतिविधियों पर लगातार नकेल कसी जा रही है। इसी क्रम में थाना सिटी कोतवाली धमतरी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि डिपो पारा स्थित कला मंच के पास एक युवक अवैध रूप से हेरोइन (चिट्टा) बेच रहा है। सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी कर संदिग्ध युवक को पकड़ा। रवि सोनी पिता मोतीलाल सोनी उम्र 39 वर्ष निवासी जोधापुर वार्ड धमतरी,थाना सिटी कोतवाली धमतरी, जिला धमतरी (छ.ग.) का रहने वाला बताया।

सुनील सोनी ने पार्षदों की बैठक लेकर कार्य समीक्षा की

पानी लाईट की मौलिक समस्याओं का त्वरित निराकरण करने निर्देश...

रायपुर/ संवाददाता

रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने रायपुर नगर निगम जोन 4 कार्यालय पहुंचकर कार्य की समीक्षा बैठक लेकर बिन्दुवार जनहित में आवश्यक निर्देश दिये। रायपुर दक्षिण विधायक ने सदर बाजार वार्ड में विभिन्न मुख्य मार्गो पर पेयजल लाईन के ऊपर अंडरग्राउंड केबलिंग कार्य करके केबल लाईन डाले जाने पर अपनी गहन अप्रसन्नता व्यक्त की। दक्षिण विधायक ने अभियान चलाकर अगले डेढ़ माह के भीतर पाईप लाईन और केबल लाईन को अलग करके सुरक्षित करना प्राथमिकता से सुनिश्चित करने के कडे निर्देश दिये है। रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने जोन

कार्यालय जनसमस्याएं लेकर प्रतिदिन आने वाले आमजनो की समस्याओं का निदान नहीं होने एवं टाल मटोल होने को लेकर गहन नाराजगी व्यक्त की है। श्री सुनील सोनी ने कहा कि नगर निगम में जोन का गठन एवं जोनकमिश्नर की पदस्थापना इसीलिए की गई है कि जोन के वार्डो की जनता को त्वरित राहत मिले और उनकी मूलभूत समस्याओं सफाई, पानी, लाईट, सडक आदि संबंधी कार्य त्वरित रूप से जोन में ही हो सके। जोन के अधिकारियों और कर्मचारियों को पार्षदों के साथ समन्वय रखकर आमजनों की समस्याएं सुनकर जोन में ही उनका त्वरित निदान करने की प्रशासनिक व्यवस्था तत्काल बनानी होगी। ताकि अनावश्यक रूप से आमजनों को अपने दैनिक कार्यों के लिए इधर - उधर ना भटकना पडे। रायपुर दक्षिण विधायक ने रावणभाठा फिल्टरप्लांट, अमृत मिशन योजना के कार्यों की जानकारी लेकर समीक्षा करते हुए प्रतिदिन सतत मॉनिटरिंग कर शहर की पानी टंकियों में जल का भराव पर्याप्त रूप से सुनिश्चित करके सुगमता से नागरिको को जल आपूर्ति करने के निर्देश दिये।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होगा महतारी सदन...

- अब तक 368 महतारी सदन की स्वीकृति, 50 से अधिक महतारी सदन पूर्ण
- महतारी सदन में कमरा, बरामदा, हाल, किचन, स्टोररूम, पेयजल हेतु ट्यूबवेल और सामुदायिक शौचालय जैसी होंगी सुविधायें

रायपुर। प्रदेश के प्रत्येक ग्राम पंचायतों में ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर बनाने तथा आपसी समरसता स्थापित करने सामायिक कार्यक्रमों में सामूहिक भागीदारी तथा महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के निर्देशानुसार महतारी सदन का निर्माण कार्य किया जाना है। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के प्रयास से 166 महतारी सदन की स्वीकृति आदेश जारी किया गया है, इसके लिए 49 करोड़ 80 लाख रुपये की स्वीकृति जारी की गई है। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि न्यू इंडिया के ग्रोथ साइकल में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की आत्मनिर्भर भारत अभियान महिलाओं की क्षमता को देश के विकास के साथ जोड़ रहा है। प्रदेश के ग्राम पंचायतों में बनने जा रहा महतारी सदन भी इसी दिशा में एक प्रयास है। उन्होंने कहा कि लगातार ग्राम भ्रमण के दौरान महिलाओं द्वारा बैठने की स्थान न होने की शिकायत की और बैठने हेतु स्थान दिलाने की मांग की जाती रही इसलिए महतारी सदन बनाने का विचार आया। ततपश्चात महिलाओं को रोजगार दिलाने और उनको काम काज के लिए स्थान उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश सरकार गांवों में महतारी सदन बनाने जा रही है। अब तक 368 महतारी सदन की स्वीकृति इसी उद्देश्य को पूर्ति के लिये जारी किया गया है। कार्यों में एकरूपता के दृष्टिकोण से पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा कार्य का एक मानक डिजाईन एवं प्राक्कलन तैयार किया गया है। प्रति महतारी सदन की लागत राशि रुपये 30 लाख होगी। प्रदेश के सभी ग्राम पंचायतों में महतारी सदन बनाया जाएगा। महतारी सदन बनाने की शुरुआत हो गयी है।

शहीद नंदकुमार पटेल विवि के रिक्त कुलपति पद के लिए आवेदन आमंत्रित

रायपुर। कुशाभाऊ ठाकरे विवि के कुलपति के रिक्त पद भरने की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई कि अब राज्यपाल सचिवालय ने नंदकुमार पटेल विवि रायगढ़ के कुलपति हेतु विज्ञापन जारी कर दिया गया है। इस विवि के कुलपति बनने के लिए रायगढ़ जिले के कई प्राध्यापक एवं प्राचार्य अपना अपना जुगाड़ लगा रहे हैं। राज्यपाल के सचिव द्वारा इस संबंध में जारी विज्ञापन के अनुसार सभी योग्य प्रत्याशियों से निर्धारित अर्हता करने वाले प्राध्यापकों से आवेदन मंगाए गये हैं। शहीद नंदकुमार पटेल विवि के कुलपति के लिए जो अर्हताएं तय की गई है उसके अनुसार उन्हें पढ़ाने तथा शोध का पर्याप्त अनुभव होना चाहिए। तथा नेतृत्व करने की क्षमता होना चाहिए। प्रत्याशी को अच्छे शैक्षणिक रिकार्ड के अलावा दस वर्ष का अनुभव बतौर प्रोफेसर होना चाहिए। इसके अलावा इसके द्वारा कई शोध कराये जाने का दस्तावेज देना होगा। किसी भी विवि के स्टाफ एवं कालेज के प्राध्यापक इस पद के लिए अपना आवेदन दे सकते हैं। यह नियुक्ति राजभवन द्वारा छग विवि 1973 के संशोधन एक्ट 2010 के अनुसार की जाएगी। राजभवन के सचिव द्वारा जारी निर्देशानुसार आवेदकों को सभी आवेदन के साथ आवश्यक दस्तावेज देना होगा। इसमें निर्धारित आयु 70 वर्ष रखी गई है।

सहकार से समृद्धि के मंत्र के साथ आगे बढ़े राज्यपाल रमेन डेका

- राज्यपाल शामिल हुए सहकार भारती बुनकर के राष्ट्रीय अधिवेशन में

रायपुर/ संवाददाता

राज्यपाल श्री रमेन डेका रविवार को रायपुर में आयोजित दो दिवसीय सहकार राष्ट्रीय बुनकर अधिवेशन में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि सहकारिता के क्षेत्र में रिसर्च और डेवलपमेंट पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने बुनकरों से आव्हान किया कि वे समयानुसार उत्पादों में नवीन तकनीकों को अपनाएं। मांग के अनुसार उत्पादों के डिजाइन में बदलाव लाएं। राज्यपाल ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में घोषित किया है। इसका उद्देश्य केवल सहकारिता को बढ़ावा देना नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से एक समृद्ध, न्यायपूर्ण और आत्मनिर्भर विश्व की नींव रखना है। यही भावना हमें प्रेरित करती है कि हम 'सहकार से समृद्धि' के मंत्र के साथ आगे बढ़ें और इस अभियान को हर घर, हर व्यक्ति तक पहुँचाएँ। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ ने सहकारिता के क्षेत्र में कई नवाचार कर देश को एक नया दृष्टिकोण दिया है। पैक्स समितियों को बहुउद्देशीय बनाने का कार्य इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राज्य में अब तक 2058 पैक्स समितियों को एम-पैक्स में परिवर्तित किया गया है और इनमें कॉमन सर्विस सेंटर जैसी सुविधाएँ भी उपलब्ध कराई गई हैं। साथ ही 532 नई बहुउद्देशीय पैक्स समितियों के गठन की प्रक्रिया जारी है। मत्स्य, दुग्ध और लघु वनोपज क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है, जो सहकारिता के विस्तार की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। राज्यपाल ने कहा कि हाथकरघा और बुनकरी का कार्य हमारे देश की सांस्कृतिक पहचान और स्वदेशी गौरव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सहकारिता के साथ मार्केटिंग के लिए नवीन माध्यमों और तकनीकों को जोड़े, इससे आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने कई उदाहरण देकर बताया कि समय पर नवीन तकनीकों को नहीं अपनाने और डिजाइन में बदलाव नहीं करने पर कई कंपनियों और वस्तुओं को मार्केट से बाहर होना पड़ है। उन्होंने कहा कि बुनकरों को अपने उत्पाद की लोकप्रियता और ब्रिकी के लिए ई-कॉमर्स और डिजिटल प्लेट फॉर्म की तरफ बढ़ना चाहिए। इस अवसर पर सहकार भारती से जुड़े पदाधिकारी उपस्थित थे।

बालिका के लिए सुरक्षित वातावरण केवल उसे अपराध से बचाने तक सीमित नहीं

बालिका की सुरक्षा,सम्मान और सशक्तिकरण नैतिक और संवैधानिक कर्तव्य:मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर के मुख्य न्यायाधीश श्री रमेश सिन्हा ने कहा है कि बालिका की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण सुनिश्चित करना केवल विधिक जिम्मेदारी ही नहीं बल्कि नैतिक और संवैधानिक दायित्व भी है। उन्होंने कहा कि बालिका के लिए सुरक्षित वातावरण केवल उसे अपराध से बचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सकारात्मक पहल से आरंभ होता है- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएँ, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और समान अवसर की उपलब्धता अपरिहार्य है। सभी संस्थानों का उद्देश्य केवल अन्याय को रोकना नहीं, बल्कि सशक्तिकरण करना है। मुख्य न्यायधीश श्री रमेश सिन्हा आज

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की विशेष सेल फॉर पॉक्सो समिति एवं किशोर न्याय समिति द्वारा, छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के सहयोग से 'बालिका संरक्षण भारत में उसके लिए एक सुरक्षित एवं सक्षम वातावरण की ओर' विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में उन्होंने ने 'यौन अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत विभिन्न हितधारकों की भूमिका' शीर्षक से एक लीफ्लेट का विमोचन भी किया। मुख्य न्यायाधीश श्री रमेश सिन्हा ने कहा कि बालिका संरक्षण के लिए बहु-क्षेत्रीय दृष्टिकोण आवश्यक है - स्वास्थ्य विशेषज्ञ उपचार हेतु, पुलिस सुरक्षा हेतु, समुदाय पोषण हेतु, विधिक संस्थान अधिकारों की रक्षा हेतु और सबसे बढ़कर, समाज को अपनी सोच बदलने हेतु कर्तव्यबद्ध है। यदि हम सामूहिक रूप से इस दृष्टिकोण को अपनाएँ, तो हम न केवल सुरक्षित बल्कि वास्तव में सक्षम वातावरण बना सकेंगे, जहाँ भारत की हर बालिका स्वतंत्रतापूर्वक सपने देख सके, निडर होकर आगे बढ़ सके और अपनी पूर्ण क्षमता प्राप्त कर सके। उन्होंने यह भी कहा कि शासन की प्रत्येक संस्था को बच्चों के अधिकारों का संरक्षक बनकर कार्य करना चाहिए। हमारा यह पावन दायित्व है कि प्रत्येक पीड़िता को न्याय मिले। नन्हीं बालिका भारत की आत्मा है। हमें उसका हाथ थामकर उसे गरिमा के साथ भविष्य की ओर ले जाना है।

संपादकीय

अमेरिका की धमकी के बीच भारत और चीन राइट ट्रैक पर

चीन के विदेश मंत्री वांग यी की भारत यात्रा से दोनों देशों के रिश्तों में नई सहजता देखने को मिल रही है। भारत के नजरिये से यह बेहद अहम है कि चीन ने रेयर अर्थ मिनरल्स और फर्टिलाइजर्स के निर्यात पर लगाई बंदिशों में छूट देने पर हामी भर दी है। इन दोनों ही चीजों के लिए देश आयात पर निर्भर करता है। व्यापार के लिए सीमा के कुछ रास्ते खोलने का फैसला भी स्वागत योग्य है। वांग यी ऐसे वक्त में भारत आए, जब पूरी दुनिया में समीकरण तेजी से बन-बिगड़ रहे हैं। दोनों देशों पर अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों का असर पड़ा है और इसी वजह से उम्मीद भी थी कि इस दौरे से कुछ सकारात्मक हासिल हो सकता है। रेयर अर्थ मिनरल्स आज की टेक्नॉलजी की जरूरत हैं और इन पर लगभग पूरी तरह से चीन का कब्जा है। दुनिया की जरूरत की 90 प्रतिशत सप्लाई चीन से आती है। इसमें भी 60 प्रतिशत वह खुद प्रोड्यूस करता है। भारत भी अपनी जरूरत के लगभग 80 प्रतिशत रेयर अर्थ के लिए चीन पर निर्भर है। इस साल अप्रैल में पेइचिंग ने अमेरिकी नीतियों के विरोध में रेयर अर्थ एलिमेंट्स के निर्यात पर कड़ाई कर दी थी। इससे पूरी दुनिया में ऑटोमोटिव और डिफेंस सेक्टर पर असर पड़ा। भारत भी इससे प्रभावित हुआ। इसी तरह, फर्टिलाइजर्स के मामले में भी चीन पर निर्भरता बहुत ज्यादा है। 2024-25 में देश ने कुल आयात का 19.17 प्रतिशत डाई-अमोनियम फास्फेट (डीएपी) चीन से मंगाया था। भारतीय किसान यूरिया के बाद सबसे ज्यादा इस्तेमाल इसी खाद का करते हैं।इस दौरे की अच्छी बात यह रही कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे की चिंताओं को समझा। जिन मुद्दों को लेकर हाल में आशंकाएं उठी हैं, उन पर खुलकर चर्चा हुई। भारत ने आतंकवाद और ब्रह्मपुत्र पर बन रहे बांध का मामला उठाया। वहीं, ताइवान पर चीन को आश्वस्त किया कि उसकी 'वन चाइना पॉलिसी' बदली नहीं है। बाकी दुनिया की तरह उसके भी ताइवान के साथ आर्थिक, तकनीकी और सांस्कृतिक संबंध हैं।भारत और चीन का रिश्ता ऐसा है, जिसके एकदम से गर्मजोशी से भर जाने की उम्मीद नहीं की जा सकती। दोनों के बीच सीमा विवाद का पुराना इतिहास है, बॉर्डर पर अब भी भारी संख्या में सैनिक आमने-सामने हैं, पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद का मसला भी है। अच्छी बात यह है कि दोनों देशों में संवाद जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इसी 31 तारीख को चीन जाना है। एससीओ समिट से इतर उनकी मुलाकात चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से भी होगी। तब एक बड़ा मौका होगा, जहां दोनों पड़ोसी आपसी सहयोग को नई दिशा दे सकते हैं।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा फूड ऑयल और प्रोटीन मार्केट है। यहां पर डालों और तेल की भारी खपत होती है। पॉल्ट्री और डेयरी सेक्टर के लिए प्रोटीन विट की भारी डिमांड रहती है। अमेरिका चाहता था कि भारत अपने दरवाजे खोले और अमेरिकी सोयाबीन यहां टैक्स फ्री आएं। लेकिन भारत ने नो एंट्री फॉर यूएस सोयाबीन साफ कह दिया। दरअसल, भारत के किसानों का सबसे बड़ा फसल आधार सोयाबीन है। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और कई राज्यों में लाखों किसान सोयाबीन उगाते हैं। अगर अमेरिका का सस्ता सोयाबीन भारत आ गया तो भारतीय किसानों की फसल बिकना मुश्किल हो जाएगी। प्राइस क्रैश हो जाएगा और छोटे किसानों की हालात खराब हो जाएगी।

भारत ने रोक डाला अमेरिका का माल

पंगा लेना ट्रंप को पड़ रहा भारी

(अभिनय आकाश)

अमेरिका का सस्ता सोयाबीन भारत आ गया तो भारतीय किसानों की फसल बिकना मुश्किल हो जाएगी। प्राइस क्रैश हो जाएगा और छोटे किसानों की हालात खराब हो जाएगी। यही वजह है कि भारत ने चार रेड लाइन सोयाबीन, कॉर्न, एथनॉल, डेयरी के रूप में खीची थी।

कभी कभी कुछ फैसले जो किसान के खेत में लिए जाते हैं वो पूरी राजनीति को बदल कर रख देते हैं। आज बात सिर्फ एक बीज की नहीं बल्कि ये लड़ाई आत्मनिर्भरता बनाम विदेशी दबाव की बन गई है। जिसकी आशंका थी आखिरकार वही हुआ। अमेरिका और भारत की ट्रेड बातचीत फाइनल राउंड में थी। लेकिन अचानक रुक गई और वजह अमेरिकी सोयाबीन है। दरअसल, भारत और अमेरिका के बीच अबतक पांच राउंड की ट्रेड मीटिंग हो चुकी थी। छठा राउंड अगस्त के आखिर में होना था। लेकिन अचानक खबर आई कि यूएस ट्रेड टॉक होल्ड पर चली गई है। अमेरिकी टीम जो 25 अगस्त को भारत आने वाली थी। उसने अपना दौरा रद्द कर दिया है। इसका सीधा सा मतलब है कि अंतरिम ट्रेड डील फाइनल होने वाली थी। लेकिन अब वो अटक गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मुख्य वजह भारत का अमेरिकी सोयाबीन को एंट्री न देना है। आपको बता दें कि अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा सोयाबीन उत्पादक है। लाखों अमेरिकी सोयाबीन उगाते हैं और वहां की बड़ी कंपनियों में इसे बेचते हैं। इन सबको नए नए बाजार चाहिए। ताकी उनका बिजनेस चलता रहे।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा फूड ऑयल और प्रोटीन मार्केट है। यहां पर डालों और तेल की भारी खपत होती है। पॉल्ट्री और डेयरी सेक्टर के लिए प्रोटीन विट की भारी डिमांड रहती है। अमेरिका चाहता था कि भारत अपने दरवाजे खोले और अमेरिकी सोयाबीन यहां टैक्स फ्री आएं। लेकिन भारत ने नो एंट्री फॉर यूएस सोयाबीन साफ कह दिया। दरअसल, भारत के किसानों का सबसे बड़ा फसल आधार सोयाबीन है। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और कई राज्यों में लाखों किसान सोयाबीन उगाते हैं। अगर अमेरिका का सस्ता सोयाबीन भारत आ गया तो भारतीय किसानों की फसल बिकना मुश्किल हो जाएगी। प्राइस क्रैश हो जाएगा और छोटे किसानों की हालात खराब हो जाएगी। यही वजह है कि भारत ने चार रेड लाइन सोयाबीन, कॉर्न, एथनॉल, डेयरी के रूप में खीची थी।

अमेरिकी सोयाबीन निर्यात परिषद (एसएसईसी) के सीईओ जिम सटर ने बीते दिनों इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए कहा था कि अमेरिका-भारत व्यापार समझौते से दोनों देशों के बीच कई व्यापारिक मुद्दे सुलझ सकते हैं, जिससे भारतीय पोल्ट्री उद्योग को 'स्थायी रूप से सत्यापित' अमेरिकी सोयाबीन फ़ीड उत्पादों तक पहुंच प्राप्त करने में मदद मिलेगी, जबकि अमेरिका को चीन के साथ व्यापार तनाव से उत्पन्न होने वाले संभावित नुकसान की आंशिक रूप से भरपाई करने की अनुमति मिलेगी। सटर ने कहा कि वह भारत में आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) उत्पादों से जुड़ी नियामक चुनौतियों को गैर-शुल्क बाधा नहीं मानते, क्योंकि अमेरिकी सोया किसानों के पास भारत और अन्य जगहों पर आपूर्ति करने के लिए जीएम और गैर-जीएम, दोनों तरह के उत्पाद उपलब्ध हैं। यह बात भारत में जीएम बीजों और उत्पादों से संबंधित नियामक प्रतिबंधों के बीच सामने आई है, जिन्हें संयुक्त राज्य व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) ने व्यापार में बाधा बताया है। आपको बता दें कि भारत ने शुरुआत में थोड़ा ललीचापन दिखाया था और नॉन जीम सोयाबीन व मक्का पर बात हो सकती है।लेकिन जब अमेरिका बार बार दबाव बनाने लगा तो भारत ने साफ कर दिया कि एग्रीकल्चर पर कोई समझौता नहीं होगा। अमेरिका अब टैरिफ को हथियार बनाकर भारत को झुकाना चाहता था। 30 जुलाई को ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। जिसके बाद 6 अगस्त को ट्रंप ने एक और फैसला लिया था, जिसमें भारत पर 25 प्रतिशत एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने का ऐलान किया।

सरल आयकर व्यवस्था की ओर बढ़े कदम

(रामबाबू सोनी)

कर प्रणाली को सरल बनाने के लिए संसद ने नया आयकर विधेयक 2025 पारित किया है। यह विधेयक 1961 के पुराने आयकर अधिनियम की जगह लेगा। इस विधेयक में प्रवर समिति की सभी 285 अनुशंसाओं को स्वीकार कर अनुपयुक्त हो चुके कई प्रावधानों को हटा दिया गया है। इसके कारण इसमें सेक्शन काफी कम हो चुके हैं। इसकी भाषा को यथासंभव सरल रखने के साथ ही पारदर्शिता और डिजिटल प्रक्रिया पर जोर दिया गया है। 'असेसमेंट ईयर' व 'प्रीवियस ईयर' जैसी जटिलताओं के समाप्त होने से यह समय और श्रम की भी बचत करेगा। अब टीडीएस प्राप्त करने के लिए पूरा आईटीआर दाखिल नहीं करना होगा। करदाताओं को यह सुविधा मिल सकेगी कि वे टैक्स कटने से पहले ही शून्य टीडीएस का सर्टिफिकेट प्राप्त कर सकेंगे, जिससे उनकी आय पर टैक्स नहीं लगेगा। छोटे करदाताओं द्वारा समय बीत जाने के बाद भी टैक्स रिटर्न दाखिल करने पर उन्हें रिफंड मिल सकेगा। रिटर्न की प्रक्रिया में लगने वाले समय को काफी कम करने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे रिफंड जल्दी मिल सके। कराधान विधि (संशोधन) विधेयक में स्वरोजगार वाले पेशेवरों के पेंशन हितों का विशेष तौर पर ध्यान रखा गया है। 'कंसोलिडेशन डिडक्शन' और अनुपालन को सरल करने के साथ ही अपराधों के लिए दंड भी कम किया गया है। साथ ही, आयकर अधिकारियों के अधिकारों को बढ़ाया गया है। अब आयकर अधिकारी अकाउंट बुक को जांचने के लिए 15 दिनों तक रख सकेंगे और सर्च के दौरान सभी डिजिटल उपकरणों, जैसे मोबाइल या लैपटॉप व ईमेल जैसे दस्तावेज अपने कब्जे में ले सकेंगे। कुल मिलाकर, यह आयकर सुधारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। (लेखक टिप्पणीकार है)।

चुनौती...

'क्या बना है सकता है राधाकृष्णन'?

डॉ. सूर्यकांत मिश्रा

कहते हैं इतिहास खुद को दोहराता है। हमने बहुत से मामलों में इसे सच की धरातल पर अनुभव भी किया है। आज एक ऐसा ही इतिहास संभवतः दोहराने के प्रयास में खड़ा देखा जा रहा है ! हमारे देश ने एक बहुत ही विद्वान राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के रूप में पाया था। उन्होंने देश के पहले उप - राष्ट्रपति के उपरांत देश के द्वितीय राष्ट्रपति के पद की गरिमा को जो ऊंचाई प्रदान की शायद उस रूप में इतिहास खुद को हमारे समक्ष नहीं ल पाएगा ! हमारे देश नैनों दिनों उप - राष्ट्रपति के चयन को लेकर घमासान सत्ताधारी पार्टी एवं विपक्ष के बीच खड़ा नजर आ रहा है। यदि केवल नाम से व्यक्ति की पद - प्रतिष्ठा और उसके भीतर समय गुण को प्राप्त किया जा सकता है तो मैं अपना नाम ÷ नरेंद्र नाथ ÷ रखकर क्यों विवेकानंद न बन जाऊं ? कुछ ऐसा ही प्रयास वर्तमान में उप - राष्ट्रपति पद को लेकर किया जा रहा है ! यदि मैं यह कहूं कि - ÷ एक वो भी राधाकृष्णन थे ÷ , तो यह एक व्यंग्य पूर्ण टिप्पणी मानी जा सकती है। मैं तो बिना लाग - लपेट के कहना चाहता हूं कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के समान होने का वर्तमान में केवल भ्रम ही पाला जा सकता है। सर्वपल्ली का अर्थ ही लगभग सभी विषयों और क्षेत्रों का वृहद ज्ञान होना होता है। आज का राधाकृष्णन और 19वीं शताब्दी में जन्में राधाकृष्णन के गुण , ज्ञान या कद का मेल दूर - दूर तक संबंध नहीं रखता है !

डॉ. राधाकृष्णन को भुनाने का प्रयास उनकी विद्वता के आगे सूरज को दिया दिखाने से कम नहीं है। आज का राधाकृष्णन एक ऐसा व्यक्ति हो सकता है जो प्रसिद्ध दार्शनिक और शिक्षाविद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के नाम का उपयोग महज अपने फायदे के लिए करने की जुगत में लगा हो ! मैं तो कहूंगा उस अद्वितीय महापुरुष की छवि का उपयोग करके वह व्यक्ति खुद या उसके कंधों को मजबूती देने वाली पार्टी उसे महान बताने का प्रयास ही कर रही है ! इसे मेरे पाठक विडंबना पूर्ण टिप्पणी कह सकते हैं , जो किसी ऐसे व्यक्ति पर लागू होती है जो डॉ. राधाकृष्णन के स्तर तक पहुंचने का दुस्साहस पूर्ण दावा कर रहा हो ! आज का राधाकृष्णन कई मामलों में पूर्वक राधाकृष्णन के विपरीत है ! यह एक प्रकार से ÷ वो भी राधाकृष्णन थे ÷ पर वाक्यांश का संक्षिप्त रूप है , जो उस अंतर को दर्शाता है जो उस व्यक्ति और डॉ. राधाकृष्णन के बीच मौजूद है ! भारतवर्ष का राष्ट्रपति होने के साथ - साथ डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन बहुत ही विद्वान व्यक्ति थे। उनके जीवन में ऊंचाई और गहराई का बेहतरीन समन्वय था।

जब बात चली है राधाकृष्णन नाम को लेकर तो उस वक्त के राधाकृष्णन की हाजिर - जवाबी का उल्लेख भी जरूरी हो जाता है। हाजिर - जवाबी भी ऐसी जो अपने दुश्मन के दिल पर राज करने लगे ! एक बार डॉ. राधाकृष्णन को एक अंग्रेज विद्वान ने अपने घर मेहमान नवाजी के लिए बुलाया। अंग्रेज भारतीय जीवन दर्शन से प्रभावित था। उसके मन में डॉ. राधाकृष्णन के प्रति भी गहरा आदर था। बावजूद इसके उसे अंग्रेज होने पर भारी अभिमान था ! वह अपनी संस्कृति और ज्ञान को ही सर्वोच्च मानने की दुर्भावना से ग्रसित था। अंग्रेजों का सौंदर्य ही उसे दुनिया में सबसे उत्तम लगता था। डॉ. राधाकृष्णन जब उस अंग्रेज के आमंत्रण पर पहुंचे तो उसने स्वागत - सत्कार के बाद हँसी - ठिठोली के अपने स्वभाव का परिचय दिया। उस अंग्रेज ने डॉ. राधाकृष्णन के साथ ही संपूर्ण भारतीय समाज की तौहीन करनी चाही ! अंग्रेज ने कहा - ÷ डॉ. राधाकृष्णन जी भगवान की कृपा हम अंग्रेजों पर विशेष रूप से बनी रही है , जी तुम लोगों को नहीं मिली !÷ इसलिए भगवान ने हम लोगों को बड़ा आकर्षक रूप - रंग प्रदान किया है !

अंग्रेज द्वारा यदि केवल राधाकृष्णन जी का ही उपहास उड़ाया जाता तो संभवतः वे टाल जाते , किंतु पूरे देशवासियों का अपमान उन्हें बर्दाश्त नहीं हुआ। उन्होंने बड़ी ही शालीनता से जवाब दिया और कहा - ÷ सृष्टि के निर्माण के समय ईश्वर रोटी बना रहा था। जो रोटियां कच्ची रह गई , उनके सामान उन्होंने आप लोगों को रच दिया ! जो रोटियां सेंकते समय जल गई , उनके समान उन्होंने नीग्रो लोगों को रूप प्रदान किया ! जो रोटियां बराबर और उचित रूप में सेकी जा सकी , उनके समान उन्होंने हम भारतीयों की रचना कर दी ! अंग्रेज विद्वान डॉ. राधाकृष्णन के उत्तर से अत्यंत प्रभावित हुआ। हम कह सकते हैं कि रोटियां तो एक बहाना थीं। डॉ. राधाकृष्णन जी ने जिस परिपक्वता का संकेत दिया वह सहनशीलता और व्यवहार कुशलता की संपन्नता का परिचायक था। ऐसा ही व्यक्ति असामान्य प्रसंगों को सम भाव से ग्रहण करता हुआ लक्ष्य की ओर अग्रसर हो जाता है। यह कहा जा सकता है कि भगवान शंकर की तरह विषपान कर ऐसा व्यक्ति समाज को अमृतपान करा जाता है !

जहां तक मेरी अल्प जानकारी है - उस वक्त के डॉ. राधाकृष्णन ने कभी कोई चुनाव नहीं लड़ा ! उन्होंने अपने सर्वोच्च ज्ञान के आधार पर देश के सर्वोच्च नागरिक के लिए बनाई गई संवैधानिक कुर्सी को प्राप्त किया। इतना ही नहीं यदि हम उनके उप - राष्ट्रपति से लेकर राष्ट्रपति तक के स्वर्णिम इतिहास को अपने चेतन मन में तलाशकर पढ़ने की कोशिश करें तो यही पाते हैं कि उनका जीवन केवल कर्तव्यों की पूर्ति में ही लगा रहा ! अपने जन्म दिवस तक को उन्होंने गुरुओं के सम्मान में ÷ शिक्षक दिवस ÷ का नाम देकर एक अविस्मरणीय इतिहास लिख डाला ! सवाल यह पैदा होता है कि क्या राधाकृष्णन बनना इतना आसान है ? उनके समान पद तक पहुंच जाना एक अवसर हो सकता है , किन्तु अवसर को कर्तव्य परायणता के मार्ग में प्रशस्त कर पाना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं माना जा सकता है। वर्तमान में राधाकृष्णन बनने के सपने तो बुने जाते हैं किंतु राधाकृष्णन को साधने की साधना का सर्वथा अभाव स्पष्ट नजर आता है!

राजनीति में लंबे समय से रणनीतियों की समझ रखने वाले आजबके राधाकृष्णन की माता जी ने उनका नाम उप - राष्ट्रपति के लिए चुने जाने के बाद जो उम्मीद जताई है वह कितनी फलीभूत हो पाती है यह तो समय ही तय कर पाएगा ! उनकी माता जी का कहना है कि उन्होंने अपने पुत्र का नाम राधाकृष्णन इसलिए रखा था कि उनका बेटा भी एक दिन सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन की तरह ही विद्वान और सम्मानित व्यक्ति बन सके। वे बड़ी प्रसन्न हैं कि ईश्वर ने उनकी प्रार्थना सुन ली। प्रार्थना को साकार करने के लिए क्या आज का राधाकृष्णन अर्थ के मायाजाल से निकलकर कर्तव्य पथ पर इतिहास को दोहरा पाएगा ? यदि ऐसा हो जाए तो स्वर्ग से डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन भी आशीर्वाद स्वरूप पुष्पवर्षा करते गर्व महसूस कर पाएंगे !

एलएसी पर मजबूत सैन्य ढाँचा बना चुका है चीन 150 किमी पीछे हटा तो भी 3 घंटे में वापस आ सकता है

भारत और चीन के बीच हाल के दिनों में संवाद की प्रक्रिया तेज़ हुई है। डि-एस्केलेशन की बात हो रही है, सीमा विवाद को शांतिपूर्वक सुलझाने की कोशिशें चल रही हैं और उच्च-स्तरीय राजनीतिक व सैन्य संवाद भी सक्रिय हुए हैं। यही नहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी चीन यात्रा पर जाने वाले हैं। देखा जाये तो यह सब निश्चित रूप से सकारात्मक संकेत हैं, लेकिन भारत के लिए यह अत्यंत सावधानी बरतने का भी समय है। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि चीन ने पिछले पाँच वर्षों में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर व्यापक सैन्य बुनियादी ढाँचा तैयार कर लिया है।

(नीरज कुमार दुबे)

हम आपको बता दें कि चीनी सेना की संयुक्त हथियार ब्रिगेड, जिनमें प्रत्येक में 4,500-5,000 सैनिक टैंकों, आर्टिलरी, आर्मर्ड वाहन और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणालियों से लैस होते हैं, कई इलाकों में अब भी अग्रिम मोर्चे पर तैनात हैं।

भारत और चीन के बीच हाल के दिनों में संवाद की प्रक्रिया तेज़ हुई है। डि-एस्केलेशन की बात हो रही है, सीमा विवाद को शांतिपूर्वक सुलझाने की कोशिशें चल रही हैं और उच्च-स्तरीय राजनीतिक व सैन्य संवाद भी सक्रिय हुए हैं। यही नहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी चीन यात्रा पर जाने वाले हैं। देखा जाये तो यह सब निश्चित रूप से सकारात्मक संकेत हैं, लेकिन भारत के लिए यह अत्यंत सावधानी बरतने का भी समय है। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि चीन ने पिछले पाँच वर्षों में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर व्यापक सैन्य बुनियादी ढाँचा तैयार कर लिया है। बताया जा रहा है कि एलएसी पर सड़कें, पुल, सुरंगें और सैनिकों के लिए आवासीय ढांचे बनाये गये हैं जिससे पीएलए (पीएलए) की टुकड़ियाँ आसानी से 100-150 किलोमीटर पीछे हटकर भी 2-3 घंटे में अग्रिम चौकियों पर वापस लौट सकती हैं। दूसरी ओर भारतीय सेना के पास अभी वैसा त्वरित गतिशीलता का ढांचा नहीं है। यही असमानता किसी भी वार्ता और समझौते में भारत के लिए सबसे बड़ा सुरक्षा जोखिम बनती है।हालाँकि पिछले वर्ष देपसांग और डेपचोक जैसे विवादित क्षेत्रों से सैनिकों की वापसी के बाद स्थिति कुछ स्थिर हुई है और दोनों सेनाओं की समन्वित गश्त जारी है, लेकिन आपसी विश्वास की कमी अभी भी गहरी है। अप्रैल-मई 2020 की घुसपैठ के बाद से भारत और चीन की सेनाएँ भारी हथियारों के साथ रुष्ट पर तैनात हैं। इस बीच चीनी सेना की सैन्य तैयारियों और ढाँचागत विस्तार में कोई कमी नहीं आई है, जिससे भारत को लगातार चौकन्ना रहना पड़ रहा है।

हम आपको बता दें कि रिपोर्टों के अनुसार, चीनी सेना की संयुक्त हथियार ब्रिगेड, जिनमें प्रत्येक में 4,500-5,000 सैनिक टैंकों, आर्टिलरी, आर्मर्ड वाहन और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणालियों से लैस होते हैं, कई इलाकों में अब भी अग्रिम मोर्चे पर तैनात हैं। कुछ ब्रिगेड भले ही 100 किमी पीछे हट चुकी हों, लेकिन यह पीछे हटना स्थायी नहीं माना जा सकता। इसके विपरीत भारत के पास सीमित ढाँचागत सुविधाएँ होने से त्वरित प्रतिक्रिया की क्षमता अपेक्षाकृत धीमी है। यही वजह है कि किसी भी डि-एस्केलेशन वार्ता में इस असमानता को नज़रअंदाज नहीं किया जा सकता।

हम आपको बता दें कि दोनों देशों ने सीमा पर शांति बनाए रखने के लिए मौजूदा कूटनीतिक और सैन्य वार्ता तंत्र को और मज़बूत करने का निर्णय लिया है। इसके तहत अब पूर्वी (सिक्किम, अरुणाचल) और मध्य (उत्तराखंड, हिमाचल) सेक्टरों में 'जनरल स्तर की बैठक प्रणाली' शुरू करने पर सहमति बनी है। पश्चिमी (लद्दाख) क्षेत्र में पहले से ही भारतीय 14 कोर कमांडर और दक्षिण शिनजियांग सैन्य जिले के प्रमुख के बीच संवाद तंत्र मौजूद है। बताया जा रहा है कि भारतीय पक्ष से मध्य क्षेत्र में बरेली स्थित उत्तर भारत क्षेत्र के लेफ्टिनेंट जनरल और पूर्वी क्षेत्र में दीमापुर स्थित 3 कोर या तेजपुर स्थित 4 कोर के लेफ्टिनेंट जनरल वार्ता में शामिल हो सकते हैं।

हम आपको बता दें कि भारत के लिए फिलहाल सबसे अहम मुद्दा उन 'नो पेट्रोल बफर जोन' का समाधान है, जो 2020-2022 के बीच हुए समझौतों में बने थे। ग़लवान, पैंगोंग झील का उत्तरी किनारा, कैलाश रेंज और गोगरा-हॉटस्प्रिंग्स क्षेत्र में 3-10 किमी तक फैले ये बफर ज़ोन अस्थायी रूप से बनाए गए थे, परंतु अब तक इन्हें हटाने की दिशा में कोई प्रगति नहीं हुई है। चूँकि ये क्षेत्र भारत की दावेदारी वाली ज़मीन पर आते हैं, इसलिए भारत का स्पष्ट लक्ष्य गश्त अधिकारों की बहाली होना चाहिए।

देखा जाये तो भारत को केवल सीमा सुरक्षा पर ही नहीं, बल्कि समुद्री सुरक्षा, प्रौद्योगिकी और आर्थिक मोर्चों पर भी रणनीतिक तैयारी रखनी होगी। चीन की व्यापक रणनीति को ध्यान में रखते हुए भारत को बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाना होगा। साथ ही भारत को केवल चीन से रिश्तों पर निर्भर न रहते हुए अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और यूरोपीय देशों के साथ भी अपने रणनीतिक साझेदारी को संतुलित रखना होगा, ताकि किसी एक पक्ष पर अत्यधिक निर्भरता न हो। भारत-चीन संबंधों में संवाद और शांति का रास्ता स्वागतयोग्य है, लेकिन यह राह लंबी और पेचीदा है। भारत को विश्वास करो लेकिन परखो की नीति अपनानी होगी– जहाँ संवाद जारी रहे, लेकिन सुरक्षा और रणनीतिक तैयारी में कोई ढील न दी जाए।

बहरहाल, डि-एस्केलेशन की प्रक्रिया कूटनीतिक स्तर पर शांति का संकेत ज़रूर देती है, लेकिन वास्तविकता यह है कि एलएसी पर सैन्य संतुलन चीन के पक्ष में झुका हुआ है। भारत को न केवल सतर्क रहना होगा, बल्कि सीमा क्षेत्रों में सड़क, सुरंग और हवाई पट्टी जैसी आधारभूत सुविधाओं का त्वरित विस्तार करना होगा। क्योंकि भरोसा भले ही धीरे-धीरे बन सकता हो, लेकिन सुरक्षा की गारंटी केवल सामरिक क्षमता और तत्परता से ही मिल सकती है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

न्यूयॉर्क में टूरिस्ट बस पलटी, 5 की मौत

अल्बानी, एजेंसी। न्यूयॉर्क में शुक्रवार को नायग्रा फॉल्स से न्यूयॉर्क सिटी जा रही एक टूरिस्ट बस पलट गई, जिससे 5 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। न्यूयॉर्क स्टेट पुलिस के मेजर आंद्रे रे ने मीडिया को बताया कि बस के ड्राइवर ने कंट्रोल खो दिया जिससे बस पलट गई। यह हादसा स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 12:30 बजे हुआ। बस में 54 यात्री सवार थे। ज्यादातर यात्रियों ने सीट बेल्ट नहीं लगाई थी, जिससे हादसे के समय खिड़कियां टूटने से कई यात्री बस से बाहर गिर गए। न्यूयॉर्क स्टेट पुलिस के प्रवक्ता टूपर जेम्स ओ'कालाघन ने बताया, बस में बच्चे भी थे। अधिकांश यात्री भारत, चीन और फिलिपींस मूल के थे। घायलों को हेलिकॉप्टर और एम्बुलेंस से बफैलो के एरी काउंटी मेडिकल सेंटर और आसपास के अस्पतालों में पहुंचाया गया। दोपहर 2:10 बजे तक कम से कम आठ मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। ओ'कालाघन ने कहा, यह एक बड़ी पर्यटक बस थी, जिसमें भारी नुकसान हुआ। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने एक्स पर लिखा कि उन्हें इस दुखद दुर्घटना के बारे में जानकारी दी गई है और उनका कार्यालय, पुलिस और स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। एक चश्मदीद, मदीना के पॉवेल स्टीफंस ने बताया कि सड़क पर टूटी खिड़कियां, बिखरा सामान और मलबा था। हादसे के कारण रोड बंद कर दी गई। ड्राइवरों को इस इलाके से न गुजरे की सलाह दी गई। बचाव कार्य अभी भी जारी है।

कोस्टा रिका के इतिहास में पहली बार, भ्रष्टाचार के आरोपों में मौजूदा राष्ट्रपति खुद पेश हुए

सैन जोस, एजेंसी। कोस्टा रिका में पहली बार ऐसा हुआ है जब किसी मौजूदा राष्ट्रपति ने खुद पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर सांसदों के सामने जाकर अपना बचाव किया है। राष्ट्रपति रोड्रिगो चावेस शुक्रवार को संसद की एक विशेष समिति के सामने पेश हुए, जो यह तय कर रही है कि उनके खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए उनकी इम्युनिटी (संवैधानिक छूट) हटाई जाए या नहीं। बता दें कि देश के अटॉर्नी जनरल और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने मांग की है कि चावेस की इम्युनिटी हटाई जाए ताकि उन पर मुकदमा चलाया जा सके। उनका आरोप है कि राष्ट्रपति चावेस ने एक प्रोड्यूसर पर दबाव डाला कि वह सेंट्रल अमेरिकन बैंक फॉर इकोनॉमिक इंटीग्रेशन से मिले कॉन्ट्रैक्ट का कुछ हिस्सा उनके पूर्व चुनाव सलाहकार को दे। चावेस ने सभी आरोपों से इनकार किया और कहा कि यह सब एक राजनीतिक बदले की साजिश है। उन्होंने कहा कि देश में कई भ्रष्टाचार के मामले वर्षों से लंबित हैं और ड्रग माफिया भी बिना सजा के छूट जाते हैं, लेकिन उन्हें निशाना बनाया जा रहा है।

इस्राइल पर सख्त कदम न उठा पाने पर डच विदेश मंत्री का इस्तीफा, सरकार में मचा हड़कंप

एम्स्टर्डम , एजेंसी। नीदरलैंड के विदेश मंत्री कास्पर वेल्डकैंप ने शुक्रवार शाम अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने यह कदम इसलिए उठाया क्योंकि वे गाजा युद्ध को लेकर इस्राइल पर नए प्रतिबंध लगाने में नाकाम रहे। वेल्डकैंप ने संसद को पहले ही जानकारी दी थी कि वे इस्राइल के गाजा सिटी और अन्य घनी आबादी वाले इलाकों में सैन्य कार्रवाई के जवाब में कुछ कड़े कदम उठाना चाहते हैं। लेकिन उन्हें अपने गठबंधन दलों का समर्थन नहीं मिला, जिसके कारण वे प्रस्ताव लागू नहीं कर सके। एक समय में इस्राइल में राजदूत रहे 61 वर्षीय राजदूत वेल्डकैंप ने कहा कि मैं खुद वो नीति लागू नहीं कर पा रहा हूं, जिसे मैं ज़रूरी मानता हूं, इसलिए इस्तीफा देना ही उचित है।

अंतरिक्ष में गुप्त मुहिम पर रवाना हुआ अमेरिकी शटल

वाशिंगटन, एजेंसी। अंतरिक्ष में गोपनीय प्रयोग करने के लिए एक और अमेरिकी सैन्य 'मिनी शटल' प्रक्षेपित किया गया। स्पेसएक्स द्वारा भेजे गए इस अंतरिक्ष यान ने फ्लोरिडा के केप कैनावेरल से अकेले ही उड़ान भरी। अमेरिकी अंतरिक्ष बल के अनुसार, यह बिना जीपीएस के लेजर संचार और सुरक्षित नौवहन का परीक्षण करेगा।

सीमा पर उत्तर कोरियाई सैनिकों पर गोलीबारी

सियोल, एजेंसी। उत्तर और दक्षिण कोरिया की सीमा पर उत्तर कोरियाई सैनिकों पर गोलीबारी हुई। उत्तर कोरिया का आरोप है कि जब हमारे सैनिक सीमा पर बैरियर लगा रहे थे तो दक्षिण कोरिया के सैनिकों ने गोलियां चलाईं। उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया पर तनाव बढ़ाने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

उत्तर कोरियाई पीपुल्स आर्मी के जनरल स्टाफ के उप प्रमुख को जोंग चोल ने कहा कि गोलीबारी दक्षिण कोरिया-अमेरिका के ग्रीष्मकालीन सैन्य अभ्यास के साथ हुई है। उत्तर कोरिया की आर्मी के जनरल स्टाफ के उप प्रमुख को ने कहा कि उत्तर कोरियाई सैनिक कोरियाई देशों के बीच क्षेत्र को पूरी तरह से अलग करने के

लिए दक्षिणी सीमा को स्थायी रूप से अवरुद्ध कर रहे हैं। इस परियोजना के तहत सीमा पर काम चल रहा है। तभी दक्षिण कोरिया ने एक ऑडियो चेतावनी और चेतावनी गोलीबारी के साथ जवाब दिया।

को ने कहा कि उत्तर कोरिया ने आकस्मिक झड़पों को रोकने के लिए 25 जून और 18 जुलाई को सीमा पर कार्य करने की अपनी योजना के बारे में दक्षिण में अमेरिकी सेना को सूचित कर दिया है। दक्षिणी सीमा प्रबंधन और सुरक्षा के लिए जिम्मेदार कमांडिंग अधिकारी के रूप में मैं मांग करता हूं कि दक्षिण कोरिया इस खतरनाक उकसावे को तुरंत रोके। इसका उद्देश्य दक्षिणी सीमा पर किलेबंदी परियोजना को तनाव बढ़ाने का बहाना बनाना है, जो हमारी संप्रभुता की रक्षा के लिए आवश्यक है।

दक्षिण कोरिया के संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ ने पुष्टि की कि उन्होंने मंगलवार दोपहर उत्तर कोरियाई सैनिकों पर चेतावनी स्वरूप गोलियां चलाईं, क्योंकि वे कुछ समय के लिए मध्य सीमा क्षेत्र में सैन्य सीमांकन रेखा को पार कर गए थे। दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा कि सैनिक बिना किसी घटना के उत्तर कोरियाई क्षेत्र में लौट आये। उत्तर कोरिया ने भी जवाबी गोलीबारी नहीं की। हाल के महीनों में दक्षिण कोरिया की सेना ने कभी-कभी सैन्य सीमांकन रेखा पार करने वाले उत्तर कोरियाई सैनिकों को पीछे हटाने के लिए लाउडस्पीकर से चेतावनी दी है और गोलियां भी चलाई हैं। उत्तर कोरियाई सैनिक बढ़ते तनाव के बीच सीमा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए टैंक रोधी बैरियरों का निर्माण कर रहे थे। बारूदी सुरंगें बिछा रहे थे और अन्य कार्य कर रहे थे। कोरियाई देशों के बीच दुश्मनी अब चरम पर है। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन अपनी सैन्य परमाणु क्षमताओं का प्रदर्शन जारी रखे हुए हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के यूक्रेन के खिलाफ युद्ध को लेकर रूस के साथ खड़े हैं।

वहीं पिछले साल किम ने एलान किया था कि उत्तर कोरिया दोनों कोरियाओं के बीच शांतिपूर्ण एकीकरण के अपने लक्ष्य को छोड़ रहा है और दक्षिण कोरिया को एक स्थायी दुश्मन मान रहा है। उन्होंने उत्तर कोरिया के संविधान को फिर से लिखने का आदेश दिया था। किम सरकार ने दक्षिण कोरिया के नए राष्ट्रपति ली जे म्यांग के कूटनीतिक प्रस्तावों को खारिज कर दिया है।

चीन के 2 ऑयल टर्मिनल किए ब्लैकलिस्ट

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने ईरान के अवैध तेल व्यापार पर एक और सख्त कदम उठाया है। वॉशिंगटन ने चीन के दो ऑयल टर्मिनल ऑपरेटरों और ग्रीक नागरिक एंटोनियोस मार्गारिटिस के शिपिंग नेटवर्क को प्रतिबंधित कर दिया है। अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि ये नेटवर्क ईरान को अवैध राजस्व उपलब्ध कराते हैं, जिससे उसके हथियार कार्यक्रम और आतंकी गतिविधियों को फंडिंग मिलती है।

अमेरिका ने ग्रीक नागरिक एंटोनियोस मार्गारिटिस उसकी कंपनियों और एक दर्जन जहाजों पर भी पाबंदी लगाई है। उस पर आरोप है कि उसने शिपिंग इंडस्ट्री में अपने अनुभव का इस्तेमाल कर ईरान को तेल की अवैध बिक्री और ट्रांसपोर्टेशन में मदद की। स वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि यह कदम कार्यकारी आदेश 13902 और **राष्ट्रीय सुरक्षा राष्ट्रपति ज्ञापन 2 के तहत उठाया गया है। उनका कहना है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीति साफ है - जो भी ईरान की मदद करेगा, उसे वैश्विक सुरक्षा के खिलाफ कदम मानकर जवाबदेह ठहराया जाएगा।

ईरान के हमले पर रिपोर्ट से नाराज थे ट्रंप, रक्षा मंत्री ने खुफिया अफसर जेफरी को बर्खास्त किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने लेफ्टिनेंट जनरल जेफरी क्रूस को बर्खास्त कर दिया है। क्योंकि उनकी एजेंसी के अमेरिकी हमलों से ईरान के परमाणु ठिकानों को हुए नुकसान के शुरुआती खुफिया आकलन से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नाराज थे। पीट हेगसेथ के इस फैसले से परिचित दो लोगों ने इस संबंध में जानकारी दी। हेगसेथ द्वारा बर्खास्त करने के बाद अब क्रूस अमेरिकी रक्षा खुफिया एजेंसी के प्रमुख नहीं रहेंगे। दोनों लोगों ने यह जानकारी नाम न छापने की शर्त पर दी, क्योंकि उन्हें इस बारे में सार्वजनिक रूप से बोलने का अधिकार नहीं था। क्रूस की ओर से ईरान पर परमाणु हमलों के बाद कहा गया था कि तेहरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है। जबकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कह रहे थे कि हमलों से ईरान के परमाणु ठिकाने पूरी तरह से तबाह हो गए। एक अधिकारी ने बताया कि क्रूस अब अमेरिकी रक्षा खुफिया एजेंसी (डीआईए) के निदेशक के तौर पर काम नहीं कर सकेंगे। डीआईए के निदेशक बनने से पहले क्रूस राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के सैन्य मामलों के सलाहकार रह चुके हैं। उन्होंने इस्लामिक स्टेट जिहादी समूह के खिलाफ गठबंधन के लिए खुफिया निदेशक, अमेरिकी यूरोपीय कमान के प्रमुख के वरिष्ठ विशेष सलाहकार जैसे पदों पर भी काम किया है। डीआईए की रिपोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों पर सवाल खड़े किए थे। इसे लेकर रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने कहा था कि रिपोर्ट जानबूझकर लीक की गई थी, ताकि यह दिखाया जा सके कि हमला सफल नहीं हुआ है। इसमें ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल चार्ल्स सीक्यू ब्राउन समेत नौसेना और तटरक्षक बल के प्रमुख, राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी के प्रमुख जनरल, वायु सेना के उप-प्रमुख, नाटो में नियुक्त नौसेना के एडमिरल और तीन शीर्ष सैन्य वकील शामिल हैं।

बांग्लादेश में यूनुस सरकार की तानाशाही, शेख हसीना के बयान टीवी पर चलाए तो होगी कार्रवाई

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने शुक्रवार को मीडिया संस्थानों को अवामी लीग की नेता और अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के बयानों के प्रसारण या प्रचार के खिलाफ चेतावनी दी है। साथ ही कहा है कि आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जारी बयान में कहा गया, हम इस तरह की आपराधिक प्रसार गतिविधियों में शामिल मीडिया अधिकारियों को चेतावनी दे रहे हैं। अगर भविष्य में कोई भी शेख हसीना के बयानों को प्रसारित करता है, तो तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घोषणा में कहा गया कि टेलीविजन चैनलों, समाचार और ऑनलाइन पोर्टलों पर हसीना के आडियो का प्रसारण और प्रचार आतंकवाद विरोधी अधिनियम 2009 का गंभीर उल्लंघन है। हसीना को एक दोषी अपराधी और सामूहिक हत्याओं और मानवता के विरुद्ध अपराधों का आरोपित भगोड़ा बताया गया है। पांच अगस्त 2024 को अपदस्थ की गई हसीना पर कई आरोपों में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में उनकी अनुपस्थिति में मुकदमा चलाया जा रहा है। इस बीच, पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने शुक्रवार को पुष्टि की है कि वह शनिवार को बांग्लादेश का दौरा करेंगे। डार ने बताया कि वह पाकिस्तान और बांग्लादेश को करीब लाने के लिए दो दिवसीय यात्रा पर ढाका जाने के लिए तैयार हैं। विदेश कार्यालय ने कहा कि वह मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस और विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन सहित विभिन्न नेताओं के साथ बैठकें करेंगे।

रातोंरात गायब हो गई दुबई की एक फर्म, भारतीय निवेशकों को हुआ लाखों का नुकसान

दुबई , एजेंसी। यूएई में एक और कथित निवेश घोटाले ने सैकड़ों प्रवासी निवेशकों को चौंका दिया है। दुबई के प्रतिष्ठित बिजनेस बे इलाके में स्थित एक ब्रोकरेज फर्म गल्फ फर्स्ट कमर्शियल ब्रोकर्स अचानक रहस्यमय तरीके से गायब हो गई है। यह कंपनी अपने साथ निवेशकों के लाखों दिरहम (हजारों डॉलर) लेकर भी लापता हो गई है। अब, जहां कभी यह कंपनी संचालित होती थी कैपिटल गोल्डन टावर के सुइट 302 और 305 वहां अब केवल धूल, एक बाल्टी, पोछा और एक काला कचरा बैग बाकी है। गल्फ फर्स्ट के लगभग 40 कर्मचारी इस कार्यालय में कार्यरत थे, जिनका मुख्य काम संभावित निवेशकों को कॉल कर फॉरेक्स (विदेशी मुद्रा) ट्रेडिंग में निवेश के लिए प्रेरित करना था। कुछ हफ्ते पहले तक, यह कार्यालय पूरी तरह सक्रिय था, लेकिन अब दोनों सुइट खाली हैं। फ़ोन लाइनें काट दी गई हैं, वेबसाइट और सोशल मीडिया अकाउंट्स निष्क्रिय हो गए हैं और कोई भी कंपनी प्रतिनिधि उपलब्ध नहीं है। कैपिटल गोल्डन टावर के एक सुरक्षा गार्ड ने खलीज टाइम्स को बताया- उन्होंने

अचानक ऑफिस खाली कर दिया, चाबियाँ लौटा दीं और साफ-सफाई कर के चले गए जैसे उन्हें कहीं भागना हो। अब रोज़ कई लोग आते हैं और कंपनी के बारे में पूछते हैं। इस कथित घोटाले का सबसे बड़ा असर प्रवासी भारतीयों पर पड़ा है, जिन्होंने कंपनी की बातों में आकर बड़ी राशि का निवेश किया था। केरल से संबंध रखने वाले दो भाई, मोहम्मद और फयाज़ पोयल, गल्फ फर्स्ट के माध्यम से 75,000 का निवेश कर चुके थे। फयाज़ ने कहा- मैं खुद यहां दुबई आया, जवाब ढूंढ़ने। लेकिन ऑफिस खाली है, कोई नहीं है। हमने हर नंबर पर कॉल की, कोई जवाब नहीं मिला। ऐसा लगता है जैसे यह कंपनी कभी अस्तित्व में ही नहीं थी। किस तरह करते थे निवेशकों को आकर्षित? बताया जा रहा है कि कंपनी खुद को एक कमर्शियल ब्रोकरेज फर्म के रूप में पेश करती थी, जो विदेशी मुद्रा और अंतरराष्ट्रीय निवेश स्कीमों में बड़ा मुनाफा दिलाने का दावा करती थी।

इराक में सात संदिग्ध आईएस आतंकवादी गिरफ्तार

बगदाद , एजेंसी। इराक की सैन्य खुफिया एजेंसी ने उत्तरी निनवेह प्रांत में सात संदिग्ध इस्लामिक स्टेट (आईएस) आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें दो महिलाएं शामिल हैं। इराकी सैन्य खुफिया निदेशालय ने कहा कि उत्तरी निनवेह प्रांत में सटीक खुफिया जानकारी और गहन क्षेत्रीय निगरानी के आधार पर ये गिरफ्तारियां की गईं। संदिग्धों को संबंधित अधिकारियों को सौंप दिया गया। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, निनवेह ऑपरेशंस कमांड के मेजर मोआतज अल-लुहैबी ने कहा कि ये लोग 2014 में प्रांत पर आईएस के नियंत्रण के दौरान संगठन से जुड़े होने के कारण वांछित थे।

उन्होंने कहा कि वे अपने गुटों के साथ काम करते रहे और इराकी सुरक्षा बलों और नागरिकों पर हमलों में शामिल रहे। इराक ने 2017 में आईएस पर जीत की घोषणा की थी, लेकिन समूह के बचे हुए सदस्य अभी भी शहरों, रेगिस्तानों और दूरदराज के इलाकों में छिटपुट हमले करते रहते हैं।

इससे पहले 12 अगस्त को, इराकी आतंकवाद-रोधी सेवा (आईसीटीएस) ने कहा था कि उसके बलों ने कई प्रांतों में कई अभियानों में 11 आईएस आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। आईसीटीएस ने एक बयान में कहा कि खुफिया रिपोर्टों पर कार्रवाई करते हुए, सुरक्षा बलों ने कई अभियान चलाए और निनवेह, किरकुक, सुलेमानियाह और सलाहुद्दीन प्रांतों में संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा, सैनिकों ने दर्जनों आईएस ठिकानों का पता लगाया और उन्हें नष्ट कर दिया, साथ ही कई सुरंगों और विस्फोटकों से भरी एक गुफा को नष्ट किया।

हालांकि इराक ने 2017 में आईएस पर जीत की घोषणा की थी, फिर भी इस समूह के अवशेष शहरी इलाकों, रेगिस्तानी इलाकों और दूरदराज के इलाकों में सुरक्षा बलों और नागरिकों पर हमले जारी रखे हुए हैं। आईसीटीएस ने घोषणा की थी कि 23 जुलाई को इराकी सुरक्षा बलों ने छह प्रांतों में चलाए गए अभियानों में 10 आईएस आतंकवादियों को गिरफ्तार किया था। आईसीटीएस ने एक बयान में कहा कि दियाला, सलाहुद्दीन, निनवेह, किरकुक, अनबर और सुलेमानियाह प्रांतों में चलाए गए अभियानों के दौरान, सुरक्षा बलों ने अनबर प्रांत के रेगिस्तानी इलाके में आईएस के छह ठिकानों को भी नष्ट कर दिया। आईसीटीएस ने कहा कि वह इराक में आतंकवाद को खत्म करना जारी रखेगा।

कनाडा में शरणार्थी बनना चाहते हैं ज्यादा से ज्यादा अमेरिकी, डेटा से खुलासा

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के इमिग्रेशन एंड रिफ्यूजी बोर्ड द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 2025 की पहली छमाही में अधिक अमेरिकी नागरिकों ने कनाडा में शरणार्थी स्थिति के लिए आवेदन किया है। यानी 2024 के मुकाबले और 2019 के बाद किसी भी साल की तुलना में अधिक है। सीधे शब्दों में कहें तो इस साल अब तक पिछले वर्षों के मुकाबले सबसे ज्यादा अमेरिकियों ने खुद को शरणार्थी का दर्जा दिलाने के लिए कनाडा में आवेदन दायर किया है। आंकड़ों के मुताबिक, 2025 की पहली छमाही में 245 अमेरिकी नागरिकों ने शरणार्थी दावे किए, जबकि 2024 में पूरे वर्ष के दौरान यह संख्या 204 थी। कुल मिलाकर, लगभग 55,000 शरणार्थी दावों में से अमेरिकी दावों की हिस्सेदारी छोटी है, लेकिन यह वृद्धि उल्लेखनीय है। कनाडा में अमेरिकी शरणार्थी दावों की स्वीकृति दर ऐतिहासिक रूप से कम रही है।रिपोर्ट्स के अनुसार, शरण मांगने वाले अमेरिकी नागरिकों में विशेष रूप से ट्रांसजेंडर समुदाय के लोग शामिल हैं, जो अमेरिका में ट्रांसजेंडर अधिकारों में कटौती का हवाला दे रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल के वर्षों में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए जेंडर-पुष्टि देखभाल, सैन्य सेवा, बाथरूम उपयोग और कुछ खेलों में भागीदारी पर प्रतिबंध लगाए गए हैं। इन नीतियों को कई लोगों ने उत्पीड़न के रूप में देखा है, जिसके कारण कुछ अमेरिकी कनाडा में शरण लेने की कोशिश कर रहे हैं।कनाडा में शरण पाने के लिए, आवेदकों को यह साबित करना होगा कि अमेरिका में उनके लिए कहीं भी सुरक्षित नहीं है। कनाडा के इमिग्रेशन और रिफ्यूजी बोर्ड ने हाल ही में ह्यूमन राइट्स वॉच जैसे संगठनों के दस्तावेजों को अपने राष्ट्रीय दस्तावेज पैकेज में शामिल किया है।

बांग्लादेश में मीडिया पर शिकंजा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने शुक्रवार को मीडिया संस्थानों को अवामी लीग की नेता व अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के किसी भी बयान का प्रसारण या प्रकाशन न करने की चेतावनी दी है। आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के प्रेस विंग ने कहा, हम हसीना की बातों और बयानों को फैलाने वाले और भविष्य में ऐसा करने की मंशा रखने वाले मीडिया को चेता रहे हैं कि हम उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे।

उन्होंने कहा, टेलीविजन चैनलों, समाचार और ऑनलाइन पोर्टलों पर हसीना के ऑडियो चलाना आतंकवाद विरोधी कानून 2009 का उल्लंघन है। इसमें हसीना को एक दोषी अपराधी व सामूहिक हत्याओं और मानवता के खिलाफ अपराधों का भगोड़ा आरोपी बताया गया है। हसीना को को पांच अगस्त 2024 को सड़क आंदोलनों के बाद सत्ता से हटाया गया था। वे इस समय अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में कई केस का सामना कर रही हैं, हालांकि अभी सजा नहीं हुई है। गौरतलब है कि बीते साल जुलाई 2024 में हुए जनविद्रोह के बाद शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिया गया था। इस जनविद्रोह में बड़ी संख्या में छात्रों ने हिस्सा लिया था। अंततः 5 अगस्त 2024 को हसीना सरकार गिर गई और वह भारत चली गईं। इसके बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार ने देश में लोकतांत्रिक माहौल बहाल करने का वादा किया था।

रूस का बड़ा ऐलान: पुतिन-ज़ेलेंस्की मुलाकात की कोई योजना नहीं

मास्को , एजेंसी। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की की मुलाकात की फिलहाल कोई योजना नहीं है। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दोनों नेताओं के बीच शांति वार्ता करवाने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप ने हाल ही में अलास्का में पुतिन और फिर वॉशिंगटन में ज़ेलेंस्की व यूरोपीय नेताओं से मुलाकात की थी। इसके बाद वॉशिंगटन बैठक के लिए जगह और तारीख तय करने की कोशिश कर रहा है। लेकिन रूस ने संकेत दिया है कि वह इस प्रक्रिया में जल्दबाज़ी नहीं करेगा। इसी बीच, रूस ने गुरुवार को युद्ध के दौरान अब तक के सबसे बड़े हवाई हमलों में से एक को अंजाम दिया। इसमें यूक्रेन के

कई शहरों पर हमले हुए और पश्चिमी यूक्रेन के अमेरिकी कंपनी फ्लेक्स इलेक्ट्रॉनिक्स के कारखाने पर भी निशाना साधा गया, जहां कम से कम 15 कर्मचारी घायल हुए।

मुद्दों पर असहमति: लावरोव ने कहा कि ट्रंप ने पुतिन से मुलाकात के बाद कुछ प्रस्ताव दिए थे, जिनमें से कई पर रूस लचीला रवैया दिखाने को तैयार था। लेकिन वॉशिंगटन में हुई बैठक के दौरान अमेरिका ने यह साफ किया कि यूक्रेन को सदस्यता नहीं मिलेगी, और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए। लावरोव के मुताबिक, ज़ेलेंस्की ने इन सभी बिंदुओं को खारिज कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया वह तो रूसी भाषा पर लगे प्रतिबंधों को हटाने तक के लिए तैयार नहीं हुए। ऐसे व्यक्ति को हम नेता कैसे मानें? पुतिन लंबे समय से यह दावा करते आए हैं कि यूक्रेन के पूर्वी डोनबास क्षेत्र में रूसी भाषी लोगों पर अत्याचार हो रहा है, लेकिन इसके ठोस सबूत कभी सामने नहीं आए।

ज़ेलेंस्की का पलटवार: ज़ेलेंस्की ने गुरुवार को कहा कि रूस बैठक से बचने की कोशिश कर रहा है और साथ ही यूक्रेन पर भारी हमले कर रहा है। उन्होंने कहा कि वह पुतिन से मिलने को तैयार हैं, लेकिन यदि रूस टालमटोल करता है तो अमेरिका को कड़े प्रतिबंध और आर्थिक दबाव बनाना चाहिए। तथ्य यह है कि यूक्रेन ने रूसी भाषा पर प्रतिबंध नहीं लगाया है।

दूसरी ओर, पुतिन ने ट्रंप की तारीफ करते हुए कहा कि अमेरिका-रूस संबंधों में सुधार की संभावना है। उन्होंने कहा- द्वितीय विश्व युद्ध के बाद हमारे संबंध सबसे निचले स्तर पर हैं। लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप के साथ हालिया बातचीत के बाद मुझे लगता है कि सुरंग के आखिर में रोशनी दिख रही है। पुतिन ने यह भी कहा कि यह पूरी तरह अमेरिका के नेतृत्व पर निर्भर करता है कि आगे क्या होता है। मुझे विश्वास है कि राष्ट्रपति ट्रंप की नेतृत्व क्षमता हमारे संबंधों को बहाल करने की गारंटी है।

बालोद जिले में भाजपा का बड़ा शक्ति प्रदर्शन, आने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी कर दी शुरू

भाजपा प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन का बालोद में भव्य स्वागत, जन्मदिन के दिन ऐतिहासिक आयोजन, हम संगठन और विकास कार्य के दम पर तीनो कांग्रेसी विधायको को उखाड़ फेंकने में सफल होंगे : यशवंत जैन

बालोद। जिले में भाजपा ने जिला मुख्यालय में बड़ा शक्ति प्रदर्शन कर आने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी अभी से शुरू कर दी है। इसी के तहत भाजपा के नए प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन रायपुर कार्यालय में कार्यभार संभालने के बाद पहली बार जब बालोद पहुंचे तो उनके जन्मदिन को भाजपा ने एक शक्ति प्रदर्शन के रूप में मनाया। बालोद नगर में जगह जगह यशवंत जैन का स्वागत किया गया। यशवंत जैन जैसे ही अपने गृह नगर बालोद पहुंचे, पूरा शहर बैनर, पोस्टर और भाजपा के झंडों से सजाया गया। नगर के घड़ी चौक, पुराना बस स्टैंड, सदर रोड, हलधरनाथ योगी चौक, मधु चौक सहित पूरे नगर में जगह-जगह स्वागत द्वार बनाए गए। कार्यकर्ताओं ने उन्हें फूल मालाओं से, नारियल, लडडू और पौधों से तोलकर अभिनंदन किया। इस ऐतिहासिक दिन को विशेष बनाने के लिए भाजपा के साथ-साथ सामाजिक और व्यापारिक संगठनों ने भी भरपूर योगदान दिया। पूरे जिले से आए कार्यकर्ताओं के उत्साह ने आयोजन को गौरवशाली बना दिया। भाजपा के 17 मंडलों से गाजे-बाजे के साथ बाइक रैली निकाली गई, जो सरदार स्कूल मैदान से होते हुए नगर भ्रमण करते हुए जिला कार्यालय पहुंची। वहां जैन का पुष्पवर्षा और जयघोष के साथ भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर नवनियुक्त जिला पदाधिकारियों को भाजपा दुपट्टा व प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। स्वागत समारोह में तीनों विधानसभा क्षेत्रों से हजारों कार्यकर्ता पहुंचे, जिसमें प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर, जिला अध्यक्ष चेमन देशमुख, निर्वितमान जिला अध्यक्ष पवन साहू, पूर्व विधायक प्रीतम साहू वीरेंद्र साहू, पूर्व प्रदेश मंत्री राकेश यादव, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अभिषेक शुक्ला, राजा दीवान, शाहिद खान, महामंत्री द्वय राकेश छेटू यादव, सौरभ लूनिया, उपाध्यक्ष ठाकुर राम चंद्राकर, कौशल साहू, टिनेश्वर बघेल, भुनेश्वरी ठाकुर ,पवन सोनबरसा, कांति सोनेश्वरी, मंत्री सुरेंद्र देशमुख, सोमेश्वरी ,प्रेम साहू चंद्र लता साहू, पूजा मोंटी यादव, निशा योगी, कोषाध्यक्ष हरीश कटझरे, सह कोषाध्यक्ष मनीष, प्रवक्ता जितेंद्र साहू, किशोरी साहू, देवेन्द्र जयसवाल,कार्यालय मंत्री विनोद जैन, मीडिया प्रभारी कमल पनपालिया, पुष्पेंद्र चंद्राकर,जिला पंचायत अध्यक्ष तारिणी पुष्पेंद्र चंद्राकर, उपाध्यक्ष तोमन साहू, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिभा चौधरी, तोरण लाल साहू, कमलेश सोनी, प्रमोद जैन, प्रदीप साहू, मोहंतीन बाई चौरका, कुंती बाई देवांगन, लाल निवेंद्र सिंह टेकाम, सरस्वती टेमरिया, कांति सोनबरसा, मुकेश कौडो, पुरुषोत्तम चंद्राकर, लक्ष्मी अशोक साहू, प्रभा नायक, चुन्नी मानकर, चंद्रिका गंजीर, तेजराम साहू, दिनेश सिंह, भोलाराम नेताम, नीतीश मोंटी यादव, मनोज दुबे, विजय सोनकर, कुंती सिन्हा, संजीव मानकर, राजू रावटे ,नेहा उपाध्याय, एवं जिले से आए समस्त पदाधिकारी गण, जनप्रतिनिधिगण, युवा मोर्चा, महिला मोर्चा तथा सभी प्रकोष्ठों के कार्यकर्ता इस अभिनंदन के ऐतिहासिक आयोजन में उपस्थित रहे।

फूल माला और पुष्पगुच्छ से किया गया स्वागत

वही जिला भाजपा कार्यालय में भी पूरे प्रदेश भर से आए भाजपा पदाधिकारी, स्थानीय नेता, विधायक जनपद जिला पंचायत, निकाय, मंडल के सभी जनप्रतिनिधियों व पदाधिकारियों ने नए महामंत्री यशवंत जैन के साथ साथ प्रदेश प्रवक्ता बने देवलाल ठाकुर का भी फूल माला और पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। इन बीच वरिष्ठ भाजपा नेता राजा दीवान ने भी फूलों के बड़े हार से प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन व प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर का स्वागत किया। इस दौरान यशवंत जैन ने कहा कि बालोद जिले के साथ साथ पूरे प्रदेश में भाजपा मजबूती के साथ काम कर रही है, जो विधानसभा में कमल नहीं है। वहा भी आने वाले चुनाव में कमल खिलाने का काम किया जाएगा। आप को बता दे कि छात्र राजनीति से अपने जीवन की शुरुआत करने वाले यशवंत जैन पूर्व में भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष, राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग के सदस्य रह चुके है, जहां संगठन में उनकी पकड़ हमेशा से मजबूत मानी जाती है।

बालोद जिले में संगठन और मजबूत होगा : चेमन

प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने जो विश्वास मुझपर किया है, विपक्ष में रहते हुए जो मैंने काम किया है, विपक्ष में रहते हुए भारतीय जनता पार्टी के विचारों एवं सरकार की योजनाओं को जन जन अंत्योदय तक पहुचाने के लिए जो दायित्व सौपा है, उसपर मैं खरा उतरूंगा, ऐसा मै भारतीय जनता पार्टी को विश्वास दिलाता हूं। जिलाध्यक्ष चेमन देशमुख ने कहा कि निश्चित रूप से बालोद जिले के लिए गौरव की बात है, भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने यहां पे प्रदेश के महामंत्री व प्रदेश के प्रवक्ता की जिम्मेदारी बालोद को दी है। इसी तरह से यहां की जनता भी भरपूर आशीर्वाद देने के मूड में है, आप सबने देखा है, पंचायत और नगरीय निकाय चुनावमे जनता का भरपूर आशीर्वाद मिला हैं। और लगातार मंत्रियों का दौरा बालोद जिले में हो रहा हैं। मै भरोसा दिलाता हूं कि बालोद जिले में संगठन और मजबूत होगा। और आने वाले समय 2028 में भारतीय जनता पार्टी के तीनों सीट पर हम विधायक बनाएंगे। ऐसा हम सबको भरोसा हैं।

कांग्रेसी विधायकों ने अपने क्षेत्रों में कोई काम नही किया : यशवंत

प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन ने कहा कि मुझे जैसे एक छोटे से कार्यकर्ता को इतनी बड़ी जिम्मेदारी दी उसके लिए मैं शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करता हु। आज बालोद जिले की जनता ने जो मुझे इतना प्यार दिया है, उसके लिए मैं सदैव ऋणी रहूंगा। प्रदेश संगठन जो मुझे काम देगा उसे पूरी ईमानदारी से मैं करूंगा। उन्होंने आरोप लगाया कि जिले के तीनों कांग्रेसी विधायक कर्मण्य है, यहां पर। अभी हमारी बैठक थी, वे हमारी सरकार से मांग कर रहे थे। कांग्रेस के विधायक कोई काम नही कर रहे है, क्षेत्र की बात नही कर रहे हैं। 5 साल पहले भी विधायक रहें, अस्पताल के कोई भी छोटे छोटे काम नही हुए।

लंबित वेतन समझौता के लिए दिल्ली में आवाज बुलंद कर बस्तर आगमन पर सांसद महेश कश्यप का बीएमएस ने किया स्वागत

किरंदुल। एनएमडीसी कर्मचारियों का विगत 3 वर्ष 7 माह की दीर्घ अवधि से लंबित पुनरीक्षित वेतनमान लागू कराने हेतु खदान मजदूर संघ (संबद्ध भारतीय मजदूर संघ) शाखा किरंदुल, बचेली एवं नगरनार मजदूर इस्पात संघ के अनुरोध पर बस्तर सांसद महेश कश्यप द्वारा त्वरित और सार्थक पहल करते हुए नई दिल्ली में पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के निवास पर केंद्रीय इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी से इस विषय पर गहन विचार विमर्श करते हुए अतिशीघ्र वेतन समझौता लागू कराने के लिए पुरजोर तरीके से मांग रखी गई जिस पर केंद्रीय इस्पात मंत्री ने बस्तर सांसद एवं भारतीय मजदूर संघ की मांग को गंभीरता से लेते हुए पूर्ण आश्वस्त कर त्वरित कार्रवाई करते एनएमडीसी के उच्च प्रबंधन से तत्काल नई दिल्ली में बैठक आहूत की गई तथा शीघ्र अतिशीघ्र श्रमिकों की इस बहुप्रतीक्षित मांग को पूर्ण करने की दिशा में अत्यंत ही सकारात्मक कार्रवाई की गई। श्रमिक हित में की गई इस अत्यंत ही महत्वपूर्ण कार्य उपरान्त बस्तर सांसद महेश कश्यप एवं खदान मजदूर संघ के पदाधिकारियों बी. दिल्ली राव, महेंद्र कुमार, राजेंद्र यादव, उपेंद्रनाथ त्रिपाठी के साथ नई दिल्ली से बस्तर आगमन पर जगदलपुर के माँ दंतेश्वरी जहाजभाटामें आगमन पर नगरनार मजदूर इस्पात संघ के पदाधिकारियों दुर्गा चरण, महेंद्र सिंह जॉन, दिनी सेठिया, रंजीत सेठिया, शेषानन्द सेठिया, प्रशांत साहू, अखिलेश बघेल, बमाली सेठिया, कमलोचन, कमलेश एवं समस्त सदस्यों द्वारा आत्मीय स्वागत अभिनंदन किया गया।

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना से उपभोक्ताओं को मिल रही राहत, कोनी निवासी रमेश साहू का बिजली बिल हुआ शून्य

बिलासपुर। केन्द्र सरकार की प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना अब उपभोक्ताओं की जिंदगी में बड़ा बदलाव ला रही है। प्रदेश के बिजली उपभोक्ता इस योजना का लाभ लेने आगे आ रहे हैं। ऐसे ही बिलासपुर जिले के ग्राम कोनी के निवासी रमेश साहू ने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट का सोलर पैनल लगवाया है। इसके बाद उनका बिजली बिल शून्य हो गया है।इस अभिनव योजना के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री का आभार जताया है। कोनी में रहने वाले रमेश साहू बताते हैं कि उनके घर पर बिजली की खपत काफी अधिक थी प्रतिमाह आने वाले बिजली के बिल से उन्हें बड़ा आर्थिक भार झेलना पड़ता था। सूर्यघर योजना के बारे में जानकारी मिलने पर उन्होंने 3 किलोवाट का सोलर पैनल लगवाया जिसकी लागत करीब दो लाख रुपए थी। इस प्लांट पर उन्हें केन्द्र सरकार से 78 हजार रुपये की सब्सिडी मिल चुकी है, जबकि राज्य सरकार से मिलने वाली 30 हजार रुपये की सब्सिडी भी शीघ्र मिलने वाली है। उन्होंने कहा कि अब उन्हें बिजली बिल की चिंता से मुक्ति मिल गई है।अब उन्हें किसी तरह का बिल नहीं भरना पड़ रहा। एक बार निवेश करने पर 25 वर्षों तक बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होती है और इस पर कोई विशेष मेंटेनेंस खर्च भी नहीं है। उन्होंने बताया कि अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में सप्लाई कर आय अर्जित करने का अवसर भी मिलता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में यह योजना बड़ा कदम है। साहू ने आम नागरिकों से अपील की कि वे भी इस योजना का लाभ उठाएं और सौर ऊर्जा को अपनाकर बिजली के मामले में आत्मनिर्भर बनें। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के तहत सोलर पैनल लगवाने पर केन्द्र सरकार से 78 हजार रुपये तक सब्सिडी और राज्य सरकार से 30 हजार रुपये तक सब्सिडी दी जा रही है। साथ ही सरकार 300 यूनिट प्रतिमाह मुफ्त बिजली प्रदान कर रही है। योजना में घर की छत पर सोलर पैनल लगाने की सुविधा मिलती है जिससे बनने वाली खपत से अतिरिक्त बिजली ग्रिड में देकर बिजली उत्पादक भी बना जा सकता है। योजना के तहत ऋण का भी प्रावधान है जिसमें एक बार निवेश पर 25 वर्षों तक मुफ्त और सतत बिजली पाई जा सकती है।

वन रेंज कार्यालय के सहयोग से विशाल वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

किरंदुल। एनएमडीसी किरंदुल परियोजना द्वारा ग्राम पिनाबचेली में नकुलनार रोड पर एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान के तहत वन रेंज कार्यालय के सहयोग से विशाल वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि किरंदुल परियोजना प्रमुख रवीन्द्र नारायण एवं नमिता नारायण, अध्यक्षा, प्रेरणा महिला समिति ने वृक्षारोपण कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस वृहद अभियान के तहत एनएमडीसी कर्मचारियों एवं उनके परिजनों द्वारा 10000 पौधे लगाए जाने का अभियान शुरू किया गया है। यह पौधे वन विभाग द्वारा वृक्षारोपण स्थल पर उपलब्ध कराए गए हैं। इस पौधा रोपण से पर्यावरण संरक्षण और मातृ सम्मान के प्रति एक सशक्त संदेश, पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने के साथ-साथ सामाजिक एकता को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के दौरान आशुतोष मांडवा, रेंज अधिकारी, वन परिक्षेत्र बचेली, के.पी.सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (उत्पादन), एस.के.कोचर, महाप्रबंधक (खनन), विनोद कश्यप अध्यक्ष, ए.के.सिंह, सचिव, एमएमडब्ल्यू यूनियन, के.एल.नागवेणी, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन), अवनीश शर्मा, उप महाप्रबंधक (पर्यावरण), सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, अधिकारी, कर्मचारी एवं भारी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

शासकीय कन्या उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय किरंदुल में गणित विज्ञान कार्यक्रम का किया गया आयोजन

किरंदुल। किरन्दुल विद्यानगर स्थित शासकीय कन्या उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय में 20 अगस्त से 23 अगस्त तक गणित विज्ञान क्लब के सौजन्य से शिक्षिका उमा ठाकुर के मार्गदर्शन में तीन दिवसीय गणित विज्ञान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसका समापन शनिवार क्वीज प्रतियोगिता के साथ किया गया। प्रतियोगिता में माध्यमिक एवम हाई स्कूल के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में रंगोली चित्रकला व स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।इस कार्यक्रम में बच्चों में विज्ञान बौद्धिकता का विकास हुआ।जिसमें शाला के सभी शिक्षकगण सम्मिलित थे।

जिले में बैंक ऑफ बड़ोदा की शाखा न होने से आ रही परेशानी व्यवस्था दुरुस्त करने पार्षद राठी ने प्रभारी मंत्री को लिखा पत्र

सुकमा। सुकमा जिला में बैंक ऑफ बडौदा की कोई शाखा नही होने के कारण, पीएफएमएस स्कूलों, संकूलों, बीआरसी व बी.ई.ओं तथा जिला कार्यालयों को राशि आहरण में कठिनाईया हो रही है। वर्तमान बैंक ऑफ बडोदा की शाखा दरभा, जिला बस्तर से सुदूर कोण्टा एवं सुकमा विकासखण्ड के अधिकांश विद्यालयों की दूरी लगभग 150 से 200 कि.मी से भी अधिक है। उक्त गंभीर विषय को लेकर सुकमा नगरपालिका की पार्षद कांता राठी ने जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप को पत्र लिख कर आवश्यक कार्यवाही हेतु निवेदन किया है। सुकमा नपा की पार्षद कांता राठी ने शिक्षा विभाग में पिछले कई वर्षो से 1000 से अधिक खातों का संचालन दुसरे जिले में होने को लेकर जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप को पत्र लिखकर इस अव्यवस्था को दुर करने का निवेदन किया है। राठी ने बताया कि सुकमा जिला के शिक्षा विभाग में समग्र शिक्षा अंतर्गत स्वीकृत सभी राशि का पीएफएमएस माध्यम से किया जा रहा है। राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा, छ.ग. रायपुर के निर्देशानुसार सुकमा जिले के शिक्षा विभाग अंतर्गत संचालित समस्त 1023 बैंक खातों (स्कूलों, संकूलों, विकासखण्ड कार्यालयों एवं जिला कार्यालय) के जीरो बैलेंस खाता बैंक ऑफ बड़ौदा, शाखा- दरभा, जिला बस्तर, जगदलपुर, छ.ग. में खोला जा चुका है। सुकमा जिला में बैंक ऑफ बडौदा की कोई शाखा नही होने के कारण, पीएफएमएस से स्कूलों, संकूलों, बीआरसी व बी.ई.ओं तथा जिला कार्यालयों को राशि आहरण में कठिनाईया हो रही है। वर्तमान बैंक ऑफ बडोदा की शाखा दरभा जो जिला बस्तर में स्थित है वहाँ से सुदूर कोण्टा एवं सुकमा विकासखण्ड के अधिकांश विद्यालयों की दूरी लगभग 150 से 200 कि.मी से भी अधिक है। क्षेत्र विस्तृत होने एवं पहुंच मार्ग दुर्गम होने के कारण बैंक ऑफ बडोदा शाखा दरभा तक पहुंचना और भी कठिन हो जाता है। जिससे किसी भी संस्था व विद्यालय को आहरण तथा संवितरण का कार्य करने में लगभग एक दिन का पुरा समय व्यतीत हो जाता है। पार्षद कांता राठी ने पत्र के माध्यम से बताया कि प्रबंध संचालक, बैंक ऑफ बड़ौदा कॉर्पोरेट सेंटर द्वारा पूर्व में राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा, छ.ग. रायपुर को सहमति दी गयी थी कि पीएफएमएस आबंटन के समय जिला मुख्यालय पर नवीन बैंक शाखा शीघ्र खोला जायेगा साथ ही शाखा नहीं खोलने की स्थिति में अन्य बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराई जावेगी। किन्तु अब तक न ही नवीन बैंक शाखा खोली गयी है और न ही अन्य बैंकिंग सुविधा उपलब्ध करायी गयी है। मार्च क्लोजिंग के दौरान बैंक में आहरण व संवितरण का कार्य अधिक होने के कारण कुछ स्कूलों तथा छात्रावासों द्वारा निर्धारित समय पर पीपीए जमा किये जाने के पश्चात भी पीपीए लैप्स हो चुके थे एवं स्कूलों का आहरण समय-सीमा समाप्त होने के कारण उक्त राशि संबंधित स्कूलों में वापस नही मिलने के कारण वित्तीय असुविधाओं का सामना करना पड़ा था। जिला मुख्यालय में बैंक आफ़ बड़ोदा की शाखा नही होने के कारण शिक्षकों को आवागमन में अत्यधिक कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है एवं शिक्षा की गुणवत्ता, निर्माण, वेतन तथा अन्य मदों के राशि आहरण व संवितरण का कार्य भी बहुत ज्यादा प्रभावित हो रहा है।

विकासखण्ड स्तरीय आयोजन में सम्मिलित हुईं विधायक लता उसेण्डी

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव पूरे उत्साह के साथ मनाया गया

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 2025-26 के विकासखंड स्तरीय कार्यक्रम बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष और कोण्डागांव विधायक लता उसेंडी के मुख्य आतिथ्य में स्थानीय ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ। विधायक लता उसेंडी ने सभी को छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 25 वर्ष की यात्रा में छत्तीसगढ़ राज्य की सफलता के कई सोपान तय किए हैं। इसी तरह आगे भी नए विजन के साथ आगे बढ़ेंगे। देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहार बाजपेई ने राज्य निर्माण की आवश्यकता को समझते हुए नया राज्य गठन की घोषणा की। उन्होंने कहा कि आज हमारा छत्तीसगढ़ राज्य हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है कि 2047 तक विकसित भारत बनायेंगे। उन्होंने वोकल फॉर लोकल अभियान के तहत स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि हमें सभी स्थानीय उत्पादों को अधिक से अधिक उपयोग करें और बढ़ावा दें। स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देकर ही हम सशक्त राज्य के रूप में तेजी से आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि बीते वर्षों में हमने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ घर घर तक पहुंचाने के लिए लगातार कार्य किया है और आगे भी इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते रहेंगे। विधायक उसेंडी ने जिलेवासियों से अपील करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य के रजत जयंती को पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाएं और अपने अपने घरों में पांच दीये अवश्य जलाएं। कार्यक्रम को जिला पंचायत सदस्य नंदलाल राठौर, जनपद अध्यक्ष अनीता कोर्राम और उपाध्यक्ष टोमेन्द्र ठाकुर ने भी संबोधित किया और छत्तीसगढ़ राज्य के रजत जयंती के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य रामदई नाग व यशोदा कश्यप, सभी जनपद सदस्यगण, दीपेश अरोरा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण और जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई एवं अन्य विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जगार गीत की मनमोहक प्रस्तुति, विभिन्न प्रतियोगिता के विजेताओं का हुआ सम्मान

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अवसर पर आयोजित विकासखण्ड स्तरीय कार्यक्रम में पारंपरिक व्यंजन, सामुहिक नृत्य, मेहंदी, रंगोली और चित्रकला प्रतियोगता का भी आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों और महिलाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। रंगोली प्रतियोगिता में शासन की योजनाओं को प्रदर्शित करती आकर्षक कलाकृत बनाई गई, वहीं जगार गीत की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। पारंपरिक व्यंजन में सेक्टर 02 और दहिकोंगा कलस्टर प्रथम, मर्दापाल और कोण्डागांव सेक्टर 01 द्वितीय स्थान, सामुहिक नृत्य में कन्या पोस्ट मैट्रिक प्रथम, कस्तुरबा गांधी विद्यालय द्वितीय और कन्या प्री मैट्रिक तृतीय, मेहंदी प्रतियोगिता में सनमती नेताम, रंगोली में सुनीता नाग और चित्रकला में श्वेता नेताम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कलेक्टर ने लाइवलीहुड कॉलेज के नवनिर्मित छात्रावास भवन का किया निरीक्षण

कोण्डागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने लाइवलीहुड कॉलेज के नवनिर्मित बालक छात्रावास भवन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने भवन के सभी कक्षों का जायजा लिया और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि शेष कार्यों को 30 अगस्त तक पूर्ण कर शीघ्र हैंडओवर करें। साथ ही सभी कार्य पूर्ण होने के पश्चात प्रशिक्षणार्थियों को शीघ्र करने हेतु प्रभारी अधिकारी आजीविका महाविद्यालय को निर्देशित किया। उल्लेखनीय है कि 100 सीटर बालक छात्रावास भवन का निर्माण कार्य पूर्णता की ओर है। इस भवन के बनने से जिले के दूरस्थ अंचलों से लाईवलीहुड कॉलेज में कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षणार्थियों को बेहतर आवासीय सुविधाएं मिलेगी। उन्होंने इस दौरान उन्होंने भवन से मुख्य मार्ग तक पहुंच के लिए सड़क निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इसके पश्चात् उन्होंने वृद्धाश्रम पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और वृद्धजनों से संवाद कर भोजन एवं आवासीय और उनके लिए खेल सामग्रियों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संबंधित संस्था को बेहतर देखभाल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने प्री मेट्रिक कन्या छात्रावास का भी निरीक्षण किया। इस अवसर पर दोनों भवन के मरम्मत कार्य हेतु कार्ययोजना बनाने और विद्युत व्यवस्था में सुधार हेतु विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही साफ सफाई सहित सभी आवश्यक व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई सहित लोक निर्माण विभाग और अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

हरतालिका तीज

हरतालिका तीज व्रत भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया को किया जाता है। इस दिन वैवाहिक जीवन की लंबी आयु की कामना के लिए यह व्रत किया जाता है। यह व्रत विशेष रूप से विवाहित स्त्रियों के द्वारा किया जाता है। इस दिन उपवास कर भगवान शंकर-पार्वती की बालू से मूर्ति बनाकर पूजा की जाती है। स्वच्छ वस्त्र धारण किए जाते हैं तथा कदली स्तम्भों से घर को सजाया जाता है। इसके बाद उत्तम भजनों से रतजगा किया जाता है। इस व्रत को करने वाली स्त्रियों को मां पार्वती के समान सुख प्राप्त होता है। यह व्रत करने के लिए सुहागन स्त्रियों को व्रत के दिन प्रातः जल्दी उठ कर स्नानादि कर शुद्ध होकर व्रत का संकल्प लेना चाहिए। इस दिन भगवान शंकर व माता पार्वती जी की पूजा की जाती है। इस व्रत को बगैर जल लिए किया जाता है। व्रत के दिन माता का पूजन धूप, दीप व फूलों से करना चाहिए एवं अंत में व्रत की कथा सुननी चाहिए और घर के बड़ों से आशीर्वाद प्राप्त करना चाहिए।

व्रत कथा

एक बार भगवान शिव ने पार्वतीजी को उनके पूर्व जन्म का स्मरण कराने के उद्देश्य से इस व्रत के माहात्म्य की कथा कही थी।

श्री भोलेशंकर बोले- हे गौरी! पर्वतराज हिमालय पर स्थित गंगा के तट पर तुमने अपनी बाल्यावस्था में बारह वर्षों तक अधोमुखी होकर घोर तप किया था। इतनी अवधि तुमने अन्न न खाकर पेड़ों के सूखे पत्ते चबा कर व्यतीत किए। माघ की विक्राल शीतलता में तुमने निरंतर जल में प्रवेश करके तप किया। वैशाख की जला देने वाली गर्मी में तुमने पंचाग्नि से शरीर को तपाया। श्रावण की मूसलधार वर्षा में खुले आसमान के नीचे बिना अन्न-जल ग्रहण किए समय व्यतीत किया।

तुम्हारे पिता तुम्हारी कष्ट साध्य तपस्या को देखकर बड़े दुखी होते थे। उन्हें बड़ा क्लेश होता था। तब एक दिन तुम्हारी तपस्या तथा

पिता के क्लेश को देखकर नारदजी तुम्हारे घर पधारे। तुम्हारे पिता ने हृदय से अतिथि सत्कार करके उनके आने का कारण पूछा।

नारदजी ने कहा- गिरिराज! मैं भगवान विष्णु के भेजने पर यहां उपस्थित हुआ हूं। आपकी कन्या ने बड़ा कठोर तप किया है। इससे प्रसन्न होकर वे आपकी सुपुत्री से विवाह करना चाहते हैं। इस संदर्भ में आपकी राय जानना चाहता हूं।

नारदजी की बात सुनकर गिरिराज गद्?गद हो उठे। उनके तो जैसे सारे क्लेश ही दूर हो गए। प्रसन्नचित होकर वे बोले- श्रीमान्?! यदि स्वयं विष्णु मेरी कन्या का वरण करना चाहते हैं तो भला मुझे क्या आपत्ति हो सकती है। वे तो साक्षात ब्रह्म हैं। हे महर्षि! यह तो हर पिता की इच्छा होती है कि उसकी पुत्री सुख-सम्पदा से युक्त पति के घर की लक्ष्मी बने। पिता की सार्थकता इसी में है कि पति के घर जाकर उसकी पुत्री पिता के घर से अधिक सुखी रहे।

तुम्हारे पिता की स्वीकृति पाकर नारदजी विष्णु के पास गए और उनसे तुम्हारे ब्याह के निश्चित होने का समाचार सुनाया। मगर इस विवाह संबंध की बात जब तुम्हारे कान में पड़ी तो तुम्हारे दुख का ठिकाना न रहा।

तुम्हारी एक सखी ने तुम्हारी इस मानसिक दशा को समझ लिया और उसने तुमसे उस विक्षिप्तता का कारण जानना चाहा। तब तुमने बताया - मैंने सच्चे हृदय से भगवान शिवशंकर का वरण किया है, किंतु मेरे पिता ने मेरा विवाह विष्णुजी से निश्चित कर दिया। मैं विचित्र धर्म-संकट में हूं। अब क्या करूं? प्राण छोड़ देने के अतिरिक्त अब कोई भी उपाय शेष नहीं बचा है। तुम्हारी सखी बड़ी ही समझदार और सूझबूझ वाली थी।

उसने कहा- सखी! प्राण त्यागने का इसमें कारण ही क्या है? संकट के मौके पर धैर्य से काम लेना चाहिए। नारी के जीवन की सार्थकता इसी में है कि पति-रूप में हृदय से जिसे एक बार स्वीकार कर लिया, जीवनपर्यंत उसी से निर्वाह करें। सच्ची आस्था और एकनिष्ठा के समक्ष तो ईश्वर को भी समर्पण करना पड़ता है। मैं तुम्हें घनघोर जंगल में ले चलती हूं, जो

साधना स्थली भी हो और जहां तुम्हारे पिता तुम्हें खोज भी न पाएं। वहां तुम साधना में लीन हो जाना। मुझे विश्वास है कि ईश्वर अवश्य ही तुम्हारी सहायता करेंगे।

तुमने ऐसा ही किया। तुम्हारे पिता तुम्हें घर पर न पाकर बड़े दुखी तथा चिंतित हुए। वे सोचने लगे कि तुम जाने कहां चली गई। मैं विष्णुजी से उसका विवाह करने का प्रण कर चुका हूं। यदि भगवान विष्णु बारात लेकर आ गए और कन्या घर पर न हुई तो बड़ा अपमान होगा। मैं तो कहीं मुंह दिखाने के योग्य भी नहीं रहूंगा। यही सब सोचकर गिरिराज ने जोर-शोर से तुम्हारी खोज शुरू करवा दी।

इधर तुम्हारी खोज होती रही और उधर तुम अपनी सखी के साथ नदी के तट पर एक गुफा में मेरी आराधना में लीन थीं। भाद्रपद शुक्ल तृतीया को हस्त नक्षत्र था। उस दिन तुमने रेत के शिवलिंग का निर्माण करके व्रत किया। रात भर मेरी स्तुति के गीत गाकर जागीं। तुम्हारी इस कष्ट साध्य तपस्या के प्रभाव से मेरा आसन डोलने लगा। मेरी समाधि टूट गई। मैं तुरंत तुम्हारे समक्ष जा पहुंचा और तुम्हारी तपस्या से प्रसन्न होकर तुमसे वर मांगने के लिए कहा।

तब अपनी तपस्या के फलस्वरूप मुझे अपने समक्ष पाकर तुमने कहा - मैं हृदय से आपको पति के रूप में वरण कर चुकी हूं। यदि आप सचमुच मेरी तपस्या से प्रसन्न होकर आप यहां पधारे हैं तो मुझे अपनी अर्धांगिनी के रूप में स्वीकार कर लीजिए।

तब मैं तथास्तु कह कर कैलाश पर्वत पर लौट आया। प्रातः होते ही तुमने पूजा की समस्त सामग्री को नदी में प्रवाहित करके अपनी सहेली सहित व्रत का पारणा किया। उसी समय अपने मित्र-बंधु व दरबारियों सहित गिरिराज तुम्हें खोजते-खोजते वहां आ पहुंचे और तुम्हारी इस कष्ट साध्य तपस्या का कारण तथा उद्देश्य पूछा। उस समय तुम्हारी दशा को देखकर गिरिराज अत्यधिक दुखी हुए और पीड़ा के कारण उनकी आंखों में आंसू उमड़ आए थे।

तुमने उनके आंसू पोंछते हुए विनम्र स्वर में कहा- पिताजी! मैंने अपने जीवन का अधिकांश समय कठोर तपस्या में बिताया है। मेरी इस तपस्या का उद्देश्य केवल यही था कि मैं महादेव को पति के रूप में पाना चाहती थी। आज मैं अपनी तपस्या की कसौटी पर खरी उतर चुकी हूं। आप क्योंकि विष्णुजी से मेरा विवाह करने का निर्णय ले चुके थे, इसलिए मैं अपने आराध्य की खोज में घर छोड़कर चली आई। अब मैं आपके साथ इसी शर्त पर घर जाऊंगी कि आप मेरा विवाह विष्णुजी से न करके महादेवजी से करेंगे।

गिरिराज मान गए और तुम्हें घर ले गए। कुछ समय के पश्चात शास्त्रोक्त विधि-विधानपूर्वक उन्होंने हम दोनों को विवाह सूत्र में बांध दिया।

हे पार्वती! भाद्रपद की शुक्ल तृतीया को तुमने मेरी आराधना करके जो व्रत किया था, उसी के फलस्वरूप मेरा तुमसे विवाह हो सका। इसका महत्व यह है कि मैं इस व्रत को करने वाली कुंआरियों को मनोवांछित फल देता हूं। इसलिए सौभाग्य की इच्छा करने वाली प्रत्येक युवती को यह व्रत पूरी एकनिष्ठा तथा आस्था से करना चाहिए।

हरतालिका तीज
महिलाओं का त्योहार

भारतीय त्योहारों में तीज का काफी महत्व है। महिलाओं के लिए तीज के परंपरागत, विभिन्न रूप उत्साह के पर्याय बन जाते हैं। फिर इनके सांस्कृतिक तथा पारंपरिक महत्व अपनी जगह हैं।

इसलिए तीज के लिए महिलाएं काफी पहले से तैयारियां शुरू कर देती हैं। मेहंदी, वस्त्र तथा आभूषण, सभी कुछ अपनी सुविधा के अनुसार जुटाए जाते हैं और पूरे उत्साह के साथ मनाई जाती है तीज। तीज का ऐसा ही कुछ रूप हरतालिका तीज पर देखने को मिलता है।

शिव-पार्वती के सफल तथा परिपक्व दांपत्य जीवन जैसे जीवन की कामना के साथ हरतालिका का व्रत तथा पूजन किया जाता है। भाद्रपद की शुक्ल तृतीया को शिवगौरी का पूजन कर हरतालिका तीज मनाई जाती है।

इस व्रत को लेकर युवतियों से लेकर महिलाओं तक में उत्साह रहता है। असल में परंपरागत भारतीय त्योहारों तथा उत्सवों का असल आकर्षण ही महिलाओं का यह उत्साह है, जो पूरे वातावरण को एक नए उजास से भर देता है।

यह व्रत कड़क उपवास की श्रेणी में आता है क्योंकि इस दिन स्त्रियां निर्जल भी रहती हैं। शाम को सुंदर वस्त्र तथा आभूषणों से सजकर सभी एक-साथ मिलकर मिट्टी से बनी शिव-पार्वती की प्रतीक प्रतिमाओं का पूजन करती हैं। हंसती-गाती हैं और रात्रि जागरण भी करती हैं। समय के अनुसार हालांकि इस त्योहार में भी कुछ परिवर्तन हुए हैं। अब पूजन के लिए कई प्रकार की पतियां चुनने के लिए जरूरी नहीं कि जंगलों में जाया जाए।

आजकल बाजार में, खासतौर पर शहरों में बड़ी संख्या में ग्रामीण ढेर की ढेर पतियां तथा फूल लाकर बेचते हैं। यही नहीं दुकानों पर आपको एक ही पैकेट में सारी पूजन सामग्री भी मिल जाएगी। कामकाजी महिलाओं से लेकर गृहिणियों के लिए भी यह एक सुविधाजनक बात है। मुख्य बात यह है कि इस तरह के त्योहार महिलाओं को एक-साथ मिल बैठने तथा अपना उत्साह जाहिर करने का भी मौका दे जाते हैं। जाहिर है कि परंपरागत रूप से इस व्रत को करने के कारण तथा तरीके अब भी वैसे ही हैं, हां कुछ आधुनिकता के साथ।

आखिर अब क्यों नहीं देवी देवता आकर दिखाते हैं ऐसे चमत्कार

कहां गए वह देवी-देवता

पांच हजार साल पहले का कोई आदमी आज धरती पर आ जाए तो उसे आश्चर्य होगा कि यक्ष, देव, अशरीरी आत्माएं और किन्नर आदि कहां गए, यह भी कि इच्छा करते ही मनपसंद भोजन और वसन भूषण क्यों नहीं मिल रहे।

वे देवी देवता कहां गए जो बुलाने पर चले आते और इच्छित सुविधाओं को तत्काल रच देते थे। यह उल्लेख आज की दुनिया को सौ डेढ़ सौ साल पहले की दुनिया से तुलना करने वालों को भी हैरान कर सकते है।

हिमालय के इन भागों में दिखते हैं चमत्कार

उनके हिसाब से आज की दुनिया पिछली सदी से बहुत आगे है पर ईशा फाउंडेशन कोयंबटूर (तमिलनाडु) की प्रयोगशाला के नतीजों को देखें तो मानना होगा कि पांच हजार साल पहले की दुनिया के बारे में पुराणों और योगशास्त्रों में जो लिखा है, वह अधिकांश सही साबित हो रहा है।

फाउंडेशन के संस्थापक और योग की सचाइयों को दुनिया में पहुंचाने के मिशन में लगे सद्गुरु जग्गी वासुदेव का कहना है कि ऋग्वेद काल में तारों की सैर करने और वहां से लोगों के पृथ्वी पर आने के वृतांत सुनते आए हैं।

आकाश में रह कर धरती के लोगों के लिए सुख सुविधा रचने वालों के बारे में दुनियाभर की पुरानी किताबों के वर्णन इस बात की गवाही देते हैं। हिमालय के ध्रुव प्रदेश में तमाम ऐसी चीजें होते हुए आज भी देखी जा सकती हैं जो असंभव लगती है।

शास्त्रों और पुराणों में बताए चमत्कार की सच्चाई

वास्तव में ऐसा कुछ नहीं हुआ होता, तो हर जगह लगभग एक जैसी कहानियां न बनी होती। बाइबल में खासकर यूनानी संस्कृति में भी ऐसे ही उल्लेख आए हैं। यहां तक कि नाम भी एक जैसे लगते है।

सुमेरियन संस्कृति, मेसोपोटामिया की संस्कृति, अरब की कुछ खास संस्कृतियों, अफ्रीका के उत्तरी भागों में और दक्षिण अमेरिका में भी यही बातें सुनने व पढ़ने को मिलती हैं।

हजारों सालों तक इन महाद्वीपों के बीच कोई संपर्क ही नहीं रहा है। इसके बावजूद इन जगहों पर एक जैसे शब्दों और मुहावरों का उपयोग मिलता है।

हिमालय को योगियों और सिद्धों का तीर्थ बताते हुए तिब्बती लामा जेन सामी का कहना है कि साधना की उच्च स्थिति में पहुंचे लोगों को आज भी इस तरह के अलौकिक अनुभव होते हैं।

सार यह है कि दुनिया हमेशा उसके रचयिता की तरह पूर्ण विकसित रही है। कभी कोई पक्ष सामने आता है, कभी कोई। लेकिन योग के सहारे उसे समग्र रूप में देखा और समझा जा सकता है।

वास्तु शास्त्र

भरपूर प्यार के साथ धन भी मिलेगा, अगर घर में होगी यह बिल्ली

बिल्ली को आमतौर पर लोग अशुभ जीव मानते हैं। कहते हैं घर में अक्सर बिल्ली का आने का मतलब है कोई अपशकुन होने वाला है। बिल्ली का घर में मल त्याग करना अनहोनी का संकेत माना जाता है।

लेकिन एक बिल्ली ऐसी है जो घर में रहे तो अपशकुन नहीं बल्कि शगुन ही शगुन होता है। यह बिल्ली धन को आकर्षित करती है साथ ही आपके जीवन में प्यार भरपूर लाती है।

क्या है इस बिल्ली का नाम

आपके जीवन में खुशियां और धन लाने वाली यह बिल्ली का नाम मानकी निको है। चीन और जापान में इस बिल्ली को शुभ का प्रतीक माना जाता है। यह बिल्ली धन को आकर्षित करती है इसलिए इसे मनी कैट भी कहा जाता है।

धन चाहिए तो आपको ऐसी बिल्ली रखनी चाहिए

मनी कैट बाजार में कई रंग के मिलते हैं। रंग के अनुसार इनका परिणाम भी अलग-अलग प्राप्त होता है। जैसे अगर आप धन की चाहत रखते हैं तो घर या व्यापारिक प्रतिष्ठान पीले रंग की बिल्ली रखें। धन प्राप्ति के लिए आप चाहें तो नीले रंग की बिल्ली भी रख सकते हैं।

प्यार में भाग्य का साथ पाने के लिए

प्यार में भाग्य आपका साथ दे इसके लिए आप लाल रंग की बिल्ली घर में रख सकते हैं। हरे रंग की बिल्ली आपको हर चीज में भाग्य का साथ दिलाती है।

लेकिन बिल्ली से लाभ पाने के लिए कुछ नियम भी हैं। हरे रंग की बिल्ली उत्तर पूर्व में रखें। लाल रंग की बिल्ली को दक्षिण पश्चिम दिशा में। पीले और नीले रंग की बिल्ली दक्षिण पूर्व या उत्तर पूर्व में रखें।

ग्रामीणों को मिली निःशुल्क जांच और उपचार सुविधा

सांकरा में आयोजित हुआ स्वास्थ्य शिविर

अमलेश्वर। जनपद पंचायत पाटन के ग्राम पंचायत सांकरा में ग्रामीणों के स्वस्थ जीवन को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ ग्राम पंचायत के युवा सरपंच रवि सिंगौर, उपसरपंच रामशरण बंधे एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया।

शिविर का उद्देश्य-शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ना, समय-समय पर जांच और परीक्षण के जरिए बीमारियों का पता लगाना तथा उनका सही उपचार उपलब्ध कराना रहा।

उपलब्ध कराई गई सेवाएं-शिविर में ग्रामीणों के लिए विभिन्न स्वास्थ्य जांच एवं परीक्षण की व्यवस्था की गई। डॉ. ठाकुर पाथ लैब एंड डायग्नोस्टिक क्लिनिक, अमलेश्वर की विशेषज्ञ टीम ने ग्रामीणों की जांच की। डॉक्टरों की टीम में डॉ. सृष्टि ठाकुर, डॉ. हिमाशी राव और डॉ. थानेंद्र साहू शामिल रहे। शिविर में रक्तचाप, शुगर, सामान्य स्वास्थ्य जांच सहित आवश्यक परामर्श भी दिया गया।

स्वास्थ्य शिविर का महत्व-ग्राम पंचायत सांकरा में आयोजित यह स्वास्थ्य शिविर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी को दूर करने, लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और समय पर उपचार उपलब्ध कराने में अहम साबित हुआ।

सरपंच का बयान-युवा सरपंच रवि सिंगौर ने कहा -ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए ऐसे शिविर बेहद जरूरी हैं। इस तरह के आयोजनों से न केवल लोगों को इलाज मिलता है बल्कि वे अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग भी होते हैं।

अज्ञात शव मिलने से मचा हड़कंप

शिवपुरी तरह से डीकंपोस्ट हालत में मिला

पुलिस आसपास के क्षेत्र से लापता लोगों की जुटा रही जानकारी

शव को शासकीय मेडिकल कॉलेज कचांदूर भेजा गया

दुर्ग। नगपुरा के पास स्थित आमला बगीचा में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। शव पूरी तरह से सड़ी-गली अवस्था (डीकंपोज्ड) में था, जिसके कारण उसकी पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने आशंका जताई है कि शव 3 से 4 दिन पुराना हो सकता है। घटना के बाद से नागपुर से बोरी जाने वाले मुख्य सड़क पर लोगों के बीच दहशत का माहौल है। सूचना मिलते ही नगपुरा पुलिस चौकी की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा किया और शिनाख्त के लिए दुर्ग के शासकीय मेडिकल कॉलेज कचंदूर भेज दिया है।पुलिस इस मामले की जांच कर रही है और आसपास के इलाकों से लापता हुए लोगों के बारे में जानकारी जुटाने का प्रयास कर रही है, ताकि शव की पहचान की जा सके। यह मामला नगपुरा चौकी क्षेत्र का है।

पोरा महोत्सव एवं किसान उत्सव में शामिल हुए गृह मंत्री शर्मा

मड़ियापार में मिनी स्टेडियम निर्माण हेतु 50 लाख की घोषणा

दुर्ग। प्रदेश के गृह एव जेल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री तथा दुर्ग जिले के प्रभारी मंत्री विजय शर्मा 23 अगस्त की देर रात्रि धमधा विकासखंड के ग्राम मड़ियापार पहुंचे। वे यहां पर आयोजित तीन दिवसीय पोरा महोत्सव एव किसान उत्सव के समापन कार्यक्रम में शामिल हुए। गृह मंत्री शर्मा ने इस अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का लुत्फ उठाया। उन्होंने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में ग्रामवासियों को छत्तीसगढ़ के संस्कृति से जुड़े पारंपरिक त्यौहार पोरा की बधाई एव शुभकामनाएं दी। जिले के प्रभारी मंत्री शर्मा ने ग्रामवासियों की मांग पर ग्राम मड़ियापार में मिनी स्टेडियम निर्माण हेतु 50 लाख रुपए देने की घोषणा किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ के लोकपर्व को महोत्सव के रूप में मनाने के लिए आयोजकों को साधुवाद दिया। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति से जुड़े पोरा तिहार को ग्राम मड़ियापार के लोग विगत कई वर्षों से महोत्सव के रूप में मनाते आ रहे है। आयोजन का यह 62वां वर्ष है।महोत्सव में बैल सजावट, बैल दौड़, गेड़ी दौड़, कब्बड्डी, रस्सी खिंच, फुगड़ी, सुवा नृत्य, कुर्सी दौड़ और धीमी सायकल रेस की प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। इस अवसर पर राज्य तेल घानी बोर्ड के अध्यक्ष जितेंद्र साहू, जिला पंचायत दुर्ग की अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, सरपंच जनिता निषाद, महोत्सव के संयोजक डॉ. सुनील साहू एवं अन्य पदाधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित थे।

सर्किट हाउस में डिप्टी सीएम अरुण साव से सभापति श्याम शर्मा की मुलाकात

विकास कार्यों राशि आबंटन को लेकर सभापति ने डिप्टी सीएम से की चर्चा

दुर्ग। सर्किट हाउस में डिप्टी सीएम अरुण साव से सभापति श्याम शर्मा ने पार्षदों के साथ सौजन्य मुलाकात कर मांग पत्र सौप कर विकास कार्य राशि हेतु निवेदन किया, उन्होंने विकास कार्यों हेतु राशि आबंटन को लेकर डिप्टी सीएम से चर्चा की। इस दौरान काशीराम कोसरे, मनीष साहू, कुलेश्वर साहू, कमल देवांगन, संजय अग्रवाल, गुलशन साहू, रेशमा सोनकर, गुलाब वर्मा, मनोज सोनी, सरस निर्मलकर, जितेंद्र ताम्रकार, मंडल अध्यक्ष कमलेश फोखर सहित आदि मौजूद रहें। सभापति श्याम शर्मा ने कहा कि शहर के समग्र विकास कार्यों को गति देने एवं नागरिकों की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शासन से विभिन्न मदों से राशि आबंटन की मांग की गई है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में विद्युत सामग्री उपलब्ध न होने से वार्डों एवं प्रमुख मार्गों की प्रकाश व्यवस्था प्रभावित हो रही है। अनेक स्थानों पर अंधेरे की स्थिति बन रही है, जिससे नागरिकों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने है कि राशि स्वीकृत होते ही प्राथमिकता के आधार पर विद्युत सामग्री खरीदी जाएगी और सभी वार्डों में प्रकाश व्यवस्था को दुरुस्त कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि पर्याप्त एवं व्यवस्थित प्रकाश व्यवस्था से नागरिकों को सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक वातावरण मिलेगा। इसी प्रकार तालाबों के संरक्षण और सौंदर्यीकरण का विषय भी निगम की शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल है। तालाब केवल जल-संरक्षण के साधन ही नहीं, बल्कि शहर की सांस्कृतिक धरोहर भी हैं। इनका विकास न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सार्थक कदम होगा, बल्कि शहर की सुंदरता में भी वृद्धि करेगा। नगर निगम ने शासन को पूर्व में इस संबंध में प्रस्ताव भेजा था, और अब पुनः आवश्यक राशि स्वीकृत करने का आग्रह किया है। सभापति श्याम शर्मा ने कहा शहरवासियों की सुविधा और विकास ही नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। वर्तमान में विद्युत सामग्री के अभाव के कारण प्रकाश व्यवस्था प्रभावित है। यह स्थिति नागरिकों के लिए कठिनाईपूर्ण है, जिसे दूर करना हमारी जिम्मेदारी है। हमने शासन से अनुरोध किया है कि शीघ्र राशि आबंटन कर निगम को उपलब्ध कराया जाए। जैसे ही राशि प्राप्त होगी, प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ करने का कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। इसी प्रकार तालाब हमारे शहर की पहचान और धरोहर हैं।

इनका संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। नगर निगम ने इस दिशा में गंभीर प्रयास शुरू किए हैं। हम चाहते हैं कि नागरिकों को स्वच्छ वातावरण, सुरक्षित व्यवस्था और सौंदर्यपूर्ण शहर मिले। निगम प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है और विकास कार्यों में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। सभापति ने यह भी कहा कि नागरिकों से प्राप्त सुझाव और अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए सभी वार्डों में विकास कार्यों को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा। उनका स्पष्ट कहना था कि शासन से अपेक्षित राशि स्वीकृत होते ही दुर्ग शहर के तालाबों और प्रकाश व्यवस्था दोनों में सकारात्मक बदलाव शीघ्र दिखाई देगा। उन्होंने कहा कि शहर का सर्वांगीण विकास और नागरिकों की सुविधा सुनिश्चित करना ही निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

शराब पीने के दौरान विवाद, एक की हत्या

पुलिस ने तीन संदिग्धों को लिया हिरासत में

ग्राम अंजोरा के ईंटभट्ठा में हुई वारदात

अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग

दुर्ग। दुर्ग जिले के अंजोरा गाँव में एक ईंट-भट्ठा पर देर रात एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान किसन साहू के रूप में हुई है, जिसे गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था, जहाँ इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, यह घटना अंजोरा चौकी क्षेत्र में हुई। प्रारंभिक जानकारी से पता चला है कि किसन साहू ने तीन अन्य लोगों के साथ बैठकर शराब पी थी। शराब पीने के बाद, उन लोगों ने कुल्हाड़ी से उस पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में वह बुरी तरह घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही, घायल किसन साहू को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। पुलिस ने इस मामले में तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ कर रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपियों को पकड़कर न्यायालय में पेश किया जाएगा। इस मामले में कौन-कौन शामिल था, इसकी जांच जारी है। इस घटना ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है और लोग अपराधियों के खिलाफकड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

भिलाई चरौदा निगम शुरू करेगा डोर-टू-डोर संपत्तिकर सर्वेक्षण, राजस्व में बढ़ोतरी का लक्ष्य

- राजस्व टीम करेगी सभी 40 वार्डों में भौतिक सत्यापन, 5 सदस्यीय दल पहुंचेंगे हर घर-दुकान तक

भिलाई चरौदा। नगर निगम भिलाई चरौदा क्षेत्र में संपत्तिकर एवं अन्य करों के वास्तविक मूल्यांकन के लिए डोर-टू-डोर सर्वेक्षण की शुरुआत की जा रही है। महापौर निर्मल कोसरे एवं निगम आयुक्त दशरथ सिंह राजपूत के निर्देशानुसार यह अभियान आगामी सोमवार से शुरू होगा। इस उद्देश्य के तहत सभी 40 वार्डों में राजस्व विभाग की टीमें घर-घर जाकर संपत्तियों का भौतिक सत्यापन करेंगी। नगर निगम के अनुसार, यह सर्वेक्षण निगम को प्राप्त हो रहे राजस्व में पारदर्शिता एवं वृद्धि सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। वर्तमान में जो कर वसूली हो रही है, वह नागरिकों द्वारा पहले दिए गए संपत्ति विवरण (स्वविवरणी) के आधार पर की जा रही है। लेकिन अब संपत्तियों का पुनर्मूल्यांकन (री-असेसमेंट) कर वास्तविक स्थिति के अनुसार कर निर्धारण किया जाएगा। राजस्व प्रभारी एवं महापौर परिषद सदस्य मोहन साहू ने जानकारी दी कि सर्वेक्षण दलों का गठन कर लिया गया है। प्रत्येक दल में 5 कर्मचारी शामिल होंगे, जो आगामी एक माह के भीतर वार्डों में भवन, दुकान एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों का सर्वेक्षण पूर्ण करेंगे। इससे निगम को वर्तमान कर संग्रह की स्थिति स्पष्ट होगी और संभावित राजस्व वृद्धि का भी आकलन किया जा सकेगा। विकास योजनाओं की नींव बनेगा यह सर्वे-महापौर कोसरे ने कहा कि राजस्व डाटा की अद्यतन एवं वास्तविक जानकारी प्राप्त होने के बाद ही शहर के विकास, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और जनकल्याणकारी योजनाओं पर ठोस निर्णय लिए जा सकेंगे। यह सर्वे आगामी कर निर्धारण के लिए आधार बनेगा। निगम की अपीलः सहयोग करें नागरिक-निगम आयुक्त डी.एस. राजपूत द्वारा सभी 40 वार्डों के लिए अलग-अलग सर्वेक्षण दलों का गठन कर आदेश जारी कर दिया गया है। साथ ही क्षेत्रवासियों से अपील की गई है कि वे सर्वेक्षण के दौरान निगम कर्मचारियों को पूर्ण सहयोग प्रदान करें ताकि कार्य निर्विघ्न रूप से संपन्न हो सके।

विधायक रिकेश ने घर घर पहुंचवाया करेला

वर्षों से तीजा पर्व के लिए निशुल्क करेले का वितरण कर रहे

इस वर्ष विधायक ने मंगाया दो टन करेला

तीजा में करू भात की रही है परंपरा

भिलाई। पिछले 25 वर्षों से तीजा पर्व के लिए करेला का निःशुल्क वितरण कर रहे वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन इस वर्ष लगभग 2 टन करेला मंगवा चुके हैं। वैशाली नगर विधानसभा में वार्ड वार्ड होते हुए घर घर यह करेला तीजहारीन महिलाओं के लिए पहुंच रहा है। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने बताया कि 25 साल हो गए लगातार जब मैं पार्षद था तब से लेकर आज तक तीजा के पहले करेला का वितरण करता हूं। तीजा के दौरान अचानक करेला महंगा होने से तिजहारिन माता बहनों को ÷कडू भात÷ खिलाना बड़ा मुश्किल हो जाता है। अभी मार्केट में करेला 50 से 80 रूपये किलो हो गया है। इसलिए एक एक किलो का पैकेट हम पूरे वैशाली नगर विधानसभा में पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं।

बेटे को रायपुर से बुलाकर पड़ोसी को पिटवाया

महिलाओं के बाल पकड़े और कपड़े भी फाड़े, बंदर भगाने को लेकर शुरू हुआ था विवाद

धमधा पुलिस में घेराबंदी कर आरोपियों को पकड़ा

धमधा। धमधा पुलिस ने एक आपसी विवाद में तत्परता दिखाते हुए बड़ी घटना को होने से रोक दिया। यह मामला दो पड़ोसियों के बीच बंदर भगाने को लेकर हुए झगड़े से शुरू हुआ, जिसने बाद में हिंसक रूप ले लिया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। धमधा के ग्राम घोटवानी में धान बाई वर्मा का अपनी पड़ोसन से बंदर भगाने की बात पर विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर धान बाई के पति पंचू वर्मा ने पीड़िता को धमकी दी और अपने बेटे पप्पू वर्मा को, जो रायपुर में रहता है, तुरंत गांव बुलाया।

पप्पू वर्मा अपने कुछ दोस्तों के साथ दो गाड़ियों में घोटवानी पहुंचा और पीड़िता के घर में घुसकर गाली-गलौज करने लगा। आरोप है कि उसने जान से मारने और बेइज्जत करने की नीयत से महिलाओं के बाल पकड़े और कपड़े फाड़ दिए। इस दौरान एक महिला के बाएं हाथ पर धारदार हथियार से भी वार किया गया। इस हमले में पंचू वर्मा, धान बाई वर्मा, पप्पू वर्मा और उनके अन्य साथी शामिल थे। घटना की सूचना मिलते ही धमधा पुलिस तुरंत हरकत में आई। पुलिस ने घेराबंदी कर पंचू वर्मा, संगम मेश्राम, राकेश वर्मा और प्रभात चंदेल को गिरफ्तार कर लिया। चूँकि यह मामला गैर-जमानती था, सभी आरोपियों को न्यायालय दुर्ग में पेश किया गया, जहाँ से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।इस घटना पर धमधा पुलिस की त्वरित कार्रवाई ने एक संभावित बड़े अपराध को होने से रोका और कानून व्यवस्था के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाया है।

बकाया पैसा मांगा तो कर दी हत्या

चाकू से हुए हमले में जासीम सिद्दीकी की मौत

पैसे मांगने पर भड़क गया था ढाबा संचालक

गंभीर रूप से घायल दूसरे युवक का इलाज जारी

भिलाई। दुर्ग जिले के अहिवारा गाँव में देर रात हुए हत्याकांड ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। अहिवारा रेलवे क्रॉसिंग मार्केट के पास स्थित 'बिहार ढाबा' में पैसों के लेन-देन को लेकर हुए विवाद में ढाबा संचालक आशुतोष कुमार ने जासीम सिद्दीकी और उसके दोस्त संदेश गुप्ता पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

मामले में स्क्पद्मश्री तंवर ने बताया कि मृतक जासीम सिद्दीकी और घायल संदेश गुप्ता ने कुछ समय पहले ढाबा संचालक आशुतोष कुमार को ढाबे के निर्माण के लिए गिट्टी और रेत मुहैया कराया था। इसी का करीब 2 लाख रुपये का बकाया आशुतोष ने नहीं दिया था। इसी बकाया राशि को लेने के लिए रविवार देर शाम जासीम और संदेश ढाबा पहुंचे थे। ढाबे पर पहुंचते ही जासीम और संदेश ने अपना बकाया पैसा मांगा। लेकिन, पैसों की बात पर ढाबा संचालक आशुतोष कुमार भड़क गया। उसने पैसे देने से साफइनकार कर दिया और दोनों से तीखी बहस करने लगा। देखते ही देखते बहस इतनी बढ़ गई कि आशुतोष ने ढाबे में रखी एक चाकू उठा ली और जासीम व संदेश पर एक के बाद एक कई वार कर दिए। चाकू के वार से जासीम सिद्दीकी और संदेश गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गए। खून से लथपथ दोनों को तुरंत ही स्थानीय लोगों की मदद से सुयश हॉस्पिटल ले जाया गया। जासीम की हालत ज़्यादा गंभीर होने के कारण उसे रामकृष्ण अस्पताल रेफर कर दिया गया, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। वहीं, संदेश गुप्ता का इलाज अभी चल रहा है और उसकी हालत भी गंभीर बताई जा रही है।घटना की सूचना मिलते ही नंदनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आरोपी ढाबा संचालक आशुतोष कुमार को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ जारी है। इस घटना के बाद से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। पुलिस ने बताया कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है और जल्द ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com